RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"



पटना, वर्षः 7 , अंकः 263 , शनिवार, 07 नवंबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com



भारत-नेपाल सीमा सुरक्षा पर एसएसबी-एपीएफ की बैठक, वॉलीबॉल में एसएसबी की 3-0 से जीत 03



छठ के मंचन से विद्यार्थियों ने जगाई संस्कृति संरक्षण की अलख 04

जान्हवी कपूर का बर्फीले पहाड़ों में शूटिंग का अनुभव, नए प्रोजेक्ट का... 07

बर्निंग ट्रेन बनी अमृतसर से बंगाल जा रही कर्मभूमि एक्सप्रेस

लगी भीषण आग, इंजन से पांचवें डिब्बे तक पहुंची, रही अफरातफरी



पटियाला/लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब के राजपुरा में शुक्रवार दोपहर को चलती कर्मभूमि एक्सप्रेस में अचानक आग लग गई। आग का पता लगते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। आग अमृतसर से पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी जा रही कर्मभूमि एक्सप्रेस में लगी। ट्रेन के इंजन से पांचवें कोच तक आग फैलने की सूचना है। इसके बाद ट्रेन को रोककर यात्रियों को बाहर निकाला गया। सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन, दमकल विभाग और राहत टीमों को अलर्ट किया गया। रेलवे के अनुसार, ट्रेन नंबर 12508 कर्मभूमि एक्सप्रेस के चार जनरल कोच में आग लगने की सूचना मिली। ट्रेन दोपहर 12.58 बजे फतेहगढ़ साहिब के साधूगढ़ रेलवे स्टेशन से निकली थी। इसके कुछ देर बाद इंजन से पांचवें कोच नंबर 265287 एसी तक आग लगने की जानकारी मिली। शुरुआती तौर पर शॉर्ट सर्किट से आग लगने का अंदेशा जताया जा रहा है। घटना के बाद रेलवे ने 8 ट्रेनों के रूट डायवर्ट कर दिए। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के अधिकारियों और संबंधित कर्मचारियों को सतर्क किया गया। ट्रेन में सवार यात्रियों के बीच धुआं फैलने से दहशत का माहौल बन गया। कई यात्रियों ने बाहर निकलने की कोशिश की।

बाल-बाल बचे यात्री,किसी की जान जाने की कोई खबर नहीं

नॉर्दर्न रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि अंबाला डिवीजन के सराय बंजारा स्टेशन के पास, अमृतसर से न्यू जलपाईगुड़ी जाने वाली 12508 कर्मभूमि एक्सप्रेस के चार डिब्बों में आग लगने की सूचना मिली। सेफ्टी सिस्टम के समय पर काम करने की वजह से ट्रेन रुक गई और आग पर काबू पाने का काम चल रहा है। सभी वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। इस घटना में किसी के घायल होने, किसी अन्य तरह के नुकसान या किसी की जान जाने की कोई खबर नहीं है। रेलवे ने जल ही बोगियों को ट्रेन से अलग कर दिया है, ताकि आग फैले ना और अन्य बोगियों को नुकसान न हो। फायरब्रिगेड की गाड़ियां भी मौके पर पहुंच चुकी हैं, ताकि आग पर काबू पाया जा सके।

वीजा लेना होगा,पहले हिंदू-सिख समेत 6 समुदायों को छूट थी

भारत में पाकिस्तान-बांग्लादेश के गैर-मुस्लिमों पर सख्ती



नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से धार्मिक उत्पीड़न के कारण भारत आए 6 गैर-मुस्लिम समुदायों के लोगों को यहां रहने के लिए अब वीजा लेना होगा। इनमें हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई शामिल हैं। पहले इन लोगों को पासपोर्ट और वीजा, दोनों की अनिवार्यता से छूट मिली हुई थी। यह बदलाव उन लोगों पर लागू होगा, जो 31 दिसंबर 2024 या उससे पहले भारत आए थे। इनमें बिना वैध यात्रा दस्तावेजों के आए लोग और जिनके दस्तावेजों की अवधि खत्म हो चुकी है, वे भी शामिल हैं। गृह मंत्रालय ने गुरुवार को इमिग्रेशन नियमों में नए संशोधन की अधिसूचना जारी की।

पाकिस्तानी नागरिकों के सामने वापस नहीं जाने की शर्त

31 दिसंबर 2009 या उससे पहले भारत आए कुछ पाकिस्तानी नागरिकों को पासपोर्ट रिन्यू कराने से छूट दी गई है। यह राहत उन लोगों को मिलेगी, जो भारत में स्थायी रूप से रहने आए थे और वीजा नहीं होने के कारण अपना पासपोर्ट रिन्यू नहीं करा पा रहे हैं। हालांकि, इसके लिए उन्हें कुछ शर्तें पूरी करनी होंगी। इनमें लिखित आश्वासन देना भी शामिल है कि वे दोबारा पाकिस्तान नहीं लौटेंगे। लोगों को पासपोर्ट रिन्यू कराने से छूट है।

संक्षिप्त समाचार

बिहार के पटना में एनकाउंटर,3 शूटर ढेर

- 20 मिनट चली मुठभेड़ पुलिस पर 24 राउंड फायरिंग

पटना (एजेंसी)। पटना में शुक्रवार को पुलिस ने 3 अपराधियों का एनकाउंटर कर दिया। पटना एएसपी कार्तिकेय शर्मा ने बताया, सुबह करीब 4.30 बजे हुई मुठभेड़ में अपराधियों ने पुलिस पर 24 राउंड फायरिंग की। करीब 20 मिनट तक दोनों ओर से गोलीबारी हुई। जवाब में पुलिस की ओर से 18 राउंड गोलियां चलाई गईं। जवाबी फायरिंग



में राजा शर्मा, बबलू कुमार यादव और जेपी यादव घायल हो गए। अस्पताल पहुंचने से पहले तीनों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, तीनों पेशेवर शूटर थे और सुपारी लेकर मर्डर करते थे। मुठभेड़ में मनेर थाना के एसएचओ रजनीश कुमार भी जख्मी हुए हैं। उनके हाथ में गोली लगी है। घटना शेरपुर गंगा घाट के पास की है। मौके से एक देशी पिस्टल, दो देशी कट्टे बरामद हुए हैं। मारे गए आरोपियों के परिजन ने एनकाउंटर पर सवाल उठाते हुए अस्पताल में करीब 5 घंटे हंगामा किया। लोगों ने पुलिस के साथ हाथापाई की, पथराव किया और गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए। काफी मशक्कत के बाद मामला शांत हुआ। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए पटना एम्स भेजा है। राजद सांसद मीसा भारती ने भी कहा, एक जाति के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। एनकाउंटर के खिलाफ लोगों ने करीब 5 घंटे हंगामा किया।

झारखंड में मौत बनकर आया ट्रेलर

- सड़क किनारे खड़े 9 लोगों को कुचला,7 की हुई मौत

रांची (एजेंसी)। झारखंड के खूंटी जिले में बड़ा हादसा हुआ। जिले के कर्रा में गुरुवार देर रात हुए सड़क हादसे में सात लोगों की मौत हो गई। इनमें तीन महिलाएं और चार बच्चे हैं। एक घायल हैं। मृतकों में चार एक ही परिवार



के हैं। हादसे में बिरसा नायक की मां-बेटी और नाती की जान गई है। जबकि दूसरे परिवार से चार लोग राजेश की मां, पत्नी और दो बेटियों की मौत हुई है। इधर, सुबह लोगों ने मुआवजे की मांग पर सड़क जाम कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कोशांबी कॉलोनी के पास एक स्कूटी सवार अनियंत्रित होकर झाड़ी में घुस गई। शोर सुनकर आसपास के लोग निकले। कुछ लोग झाड़ी में फंसे युवक को निकाल रहे थे। वहीं, महिलाएं और बच्चे सड़क पर खड़े थे। इसी दौरान तोरपा की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर ने रौंद दिया।

बीजेपी शासित सभी राज्यों में लागू करेंगे यूसीसी

- उत्तराखंड के स्थापना दिवस पर बोले अमित शाह



देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड स्थापना दिवस में शामिल होने के लिए गृह मंत्री अमित शाह देहरादून पहुंचे। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मित्रों महत्वपूर्ण बात ये है कि आपको तय करना है कि अगले चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की विकास देने वाली सरकार चाहिए या भ्रष्टाचार करने वाली राहुल बाबा की सरकार चाहिए। अमित शाह ने यूसीसी पर भी बड़ा बयान दिया। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने सालों तक मनी ऑर्डर इकोनॉमी और पलायन के भरोसे उत्तराखंड को छोड़ा हुआ था। कांग्रेस ने पहाड़ का पानी और पहाड़ की जवानी कभी पहाड़ के काम में न आए, ऐसी नीतियां बनाई थीं। हमने पलायन को रोकने का हर संभव प्रयास किया है और हमने मनी ऑर्डर इकोनॉमी की जगह यहां धन का सृजन करने वाली औद्योगिक इकोनॉमी लगाने का काम किया है।

धनतेरस पर 'धनवर्षा' रिकॉर्डतोड़ खरीददारी

1.25 लाख करोड़ की बिक्री, गुलजार रहे बाजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल धनतेरस पर देश भर से अभूतपूर्व खरीदारी की खबरें आ रही हैं। छोटे व्यापारियों के संगठन कैट का कहना है कि आज के दिन देश भर में सवा लाख करोड़ रुपये से भी अधिक का सामान बिकने की खबर है। यह भारतीय उपभोक्ताओं के मजबूत विश्वास, बढ़ती क्रय शक्ति और देश की घरेलू खुदरा अर्थव्यवस्था में आई नई ऊर्जा का परिचायक है। कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के महामंत्री एवं चांदनी चौक से बीजेपी सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने बताया कि देश भर के खरीदारों में आज जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। धनतेरस ने एक बार फिर भारत के पारंपरिक बाजारों की अपार ताकत और देश के व्यापारी समुदाय की जीवंतता को साबित किया है। उन्होंने बताया कि सोने-चांदी, ऑटोमोबाइल, बर्तन, रसोई के सामान, इलेक्ट्रॉनिक्स, बिजली के उपकरण, मां लक्ष्मी एवं भगवान गणेश की मूर्तियों सहित अन्य शुभ वस्तुओं की खरीदारी ने देशभर में अभूतपूर्व व्यापारिक गतिविधियों को जन्म दिया है। लोग इन वस्तुओं की खूब खरीदारी कर रहे हैं। साथ ही लोग विदेशी सामानों के बजाय स्वदेशी सामानों की खरीदारी को तवज्जो दे रहे हैं।



जौहरी बाजार में अभूतपूर्व उत्साह

कैट के ज्वैलरी चैप्टर ऑल इंडिया ज्वैलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन के अध्यक्ष पंकज अरोड़ा ने बताया कि पिछले कई दिनों से देशभर के आभूषण बाजारों में ग्राहकों की असाधारण भीड़ देखने को मिली है। उन्होंने बताया कि देशभर में सोने और चांदी का आज का कारोबार 66,000 करोड़ रुपये से अधिक रहने का अनुमान है। सिर्फ दिल्ली के बुलियन बाजारों में ही 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का व्यापार दर्ज किया गया है। कीमती धातुओं की ऊंची कीमतों के बावजूद ग्राहकों का सोने-चांदी की खरीदारी के प्रति उत्साह बरकरार रहा। विशेष रूप से हल्के वजन के आभूषणों, पारंपरिक गहनों, चांदी के सिक्कों और शुभ निवेश के रूप में सोने-चांदी की खरीदारी को प्राथमिकता दी गई। उन्होंने बताया कि आज सोने का भाव कम रहा।

दुनिया भर में हाहाकार भारत में बम-बम बाजार

- 8 महीने बाद सेंसेक्स 80,000 पार,1000 अंक तक चढ़ा

मुंबई (एजेंसी)। दुनियाभर के बाजारों में गिरावट के बीच शुक्रवार को सेंसेक्स 1000 अंक या 1.35 फीसदी चढ़कर 80,400 के करीब पहुंच गया है। 8 महीने बाद ये 80 हजार के पार पहुंचा है। वहीं निफ्टी में 250 अंक या 1.10 फीसदी से ज्यादा की तेजी है, ये 24,800 के स्तर पर है। कल बाजार में साल की दूसरी बड़ी बढ़त रही थी।

सेंसेक्स 2009 अंक चढ़कर 79310 पर बंद हुआ था। इससे पहले 8 अप्रैल को सेंसेक्स 2,946 अंक चढ़ा था। विदेशी निवेशकों ने पिछले 7 दिनों में 32,210 करोड़ का बड़ा निवेश किया है, जिससे घरेलू शेयर बाजार को जबरदस्त सपोर्ट मिला है। सितंबर तिमाही के मजबूत नतीजों से सेंटिमेंट सुधरा है। रिलायंस, इंफोसिस और टीसीएस जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों में तेजी आई है।

तमिलनाडु की गोद में खेलेंगे बंगाल की लोमड़ी व सुनहरा सियार

- 1.3 करोड़ रुपए से होगा इनका जंगल में 'मंगल' संरक्षण की तैयारी

चेन्नई/नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु की सरकार ने अब बंगाल लोमड़ी और सुनहरे सियारों को बचाने के लिए एक कदम बढ़ा दिए हैं। हाल ही में कई जिलों में पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण प्रजातियों के संरक्षण के लिए फंड को मंजूरी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, तमिलनाडु सरकार ने इस साल बंगाल लोमड़ी और सुनहरे सियार के संरक्षण के लिए 1.3 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। इस पहल का मकसद इन प्रजातियों



को बचाना है, जिन्हें उनके प्राकृतिक आवासों में पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है।

वन्यजीव संरक्षण कानून के तहत लोमड़ी-सियार को सुरक्षा

यह योजना तत्कालीन वन मंत्री के. पोनमुडी द्वारा मार्च 2025 में राज्य विधानसभा में अपने बजट भाषण के दौरान की गई घोषणा के मुताबिक है। भारतीय बंगाल लोमड़ी (वल्पेस बेंगालेंसिस) और सुनहरा सियार (कैनिस ऑरेस) दोनों ही वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची एआई में शामिल हैं, जो इन्हें सर्वोच्च स्तर की कानूनी सुरक्षा प्रदान करता है।

तमिलनाडु के मैदान से लेकर पहाड़ तक जैव विविधता

अपनी असाधारण जैव विविधता के लिए मशहूर तमिलनाडु में तटीय मैदानों से लेकर पहाड़ी इलाकों तक, कई तरह के पारिस्थितिकी तंत्र मौजूद हैं। यहां पाए जाने वाले कई जीवों में इंडियन बंगाल फॉक्स (वल्पेस बेंगालेंसिस) और गोल्डन जैकाल (कैनिस ऑरेस) शामिल हैं। ये दोनों ही शिकारी और मृत जीवों को खाने वाले जानवरों के रूप में पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। एडवांस्ड इंस्टीट्यूट फॉर वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन ने तमिलनाडु के विभिन्न इलाकों में इनकी मौजूदगी का पता लगाने के लिए एक शुरुआती अध्ययन किया।

जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस कभी नहीं टूटेगी

- फारुक अब्दुल्ला बोले, नाराज 25 विधायकों से मिले

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की सरकार गिरने की अटकलों के बीच शुक्रवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस के नाराज विधायकों ने श्रीनगर में पार्टी अध्यक्ष फारुक अब्दुल्ला के घर मीटिंग की। इसमें सीएम उमर भी मौजूद थे। मीटिंग के बाद फारुक अब्दुल्ला ने कहा, 'नेशनल कॉन्फ्रेंस कभी नहीं टूटेगी। मैंने विधायकों की शिकायतें सुनी हैं, हम उन पर काम करेंगे। कुछ का समाधान तुरंत होगा, तो कुछ का धीरे-धीरे होगा।' नाराज विधायकों के नेता नजीर गुरेजी ने कहा, 'हमने पार्टी लीडरशिप के सामने अपनी शिकायतें रखी हैं, उन पर जल्द ध्यान दिया जाएगा।' 25 विधायकों की प्रमुख मांगों में सीएम के सलाहकार नासिर सोगमी को हटाना, डिप्टी सीएम सुरिंदर चौधरी से सड़क निर्माण विभाग वापस लेना या उन्हें पद से हटाना और सरकार के लोगों पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कराना शामिल है। नाराज विधायकों ने 30 अक्टूबर से 5 नवंबर के बीच 5 सीक्रेट बैठकें की थीं। इस दौरान विधायकों ने मांगों और पार्टी से बातचीत की रणनीति बनाई। देश में 5 साल में 3 बड़ी क्षेत्रीय पार्टियों में टूट हो चुकी है।

अपनी डिफेंस लाइन को और मजबूत बना रहा है भारत

देसी एडी-1 और रशियन एस-400 बने अचूक सिस्टम



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत लगातार अपनी रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने में जुटा हुआ है। इसी के चलते सरकार अपने डिफेंस बजट में भी इजाफा कर रही है। वित्त वर्ष 2026-27 देश का रक्षा बजट लगभग 7.85 लाख करोड़ रुपये का रहा। यही नहीं डिफेंस फोर्सेज अब स्वदेशी हथियारों पर भी फोकस बढ़ा रहे हैं। इनमें स्वदेशी मिसाइलों के साथ-साथ, तोप और दूसरे हथियार भी शामिल हैं। वहीं ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत अपने डिफेंस सिस्टम को और शक्तिशाली बना रहा है। इसमें स्वदेशी एडी-1 इंटरसेप्टर मिसाइल का रोल बेहद अहम है। इसे डीआरडीओ ने तैयार किया है। मारक क्षमता 5000 किमी. तक है।

मौजूद है असीमित ताकत

इसकी रेंज में आने वाली दुश्मनों की मिसाइलों को ये सिस्टम चुटकियों में ध्वस्त करने की ताक रखता है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एस-400 का लोहा पड़ोसी पाकिस्तान भी मान चुका है। जानिए एडी-1 और एस-400 में क्या है अंतर। एस 400 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम की बात करें तो ये दुश्मन के 80 फीसदी लड़ाकू विमानों को मार गिराने में सक्षम है। ये सिस्टम बाकी विमानों को पीछे हटने पर मजबूर कर देता है। रूस में बना एस-400 ट्रायम्फ मोबाइल सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल सिस्टम है। एस-400 को 28 अप्रैल 2007 को सेवा के लिए मंजूरी दी गई थी और सिस्टम की पहली बटालियन ने 6 अगस्त 2007 को मोर्चा संभाला था। एस-400 की ऑपरेशनल रेंज 400 किमी तक है, जिसमें अलग रेंज की कई मिसाइलें शामिल हैं। इन मिसाइलों का इस्तेमाल जरूरत के हिसाब से किया जा सकता है।

- ट्रांसजेंडर कैदियों को अब मिल पाएगी अलग से पहचान, मानवाधिकार के दखल के बाद ऐक्शन

हैदराबाद जेल में बना देश का पहला जेंडर न्यूट्रल सेल

हैदराबाद (एजेंसी)। पहले जेल में सिर्फ पुरुष और महिला वार्ड होते थे। ट्रांसजेंडर कैदियों को किस वार्ड में रखा जाए, ये बड़ी दिक्कत थी। अब उनके लिए अलग जेंडर-न्यूट्रल सेल होगा, जहां वो अपनी पहचान के हिसाब से रह सकेंगे और अपनी पसंद के कपड़े भी पहन सकेंगे। नेशनल ह्यूमन राइट्स कमीशन के हस्तक्षेप के बाद हैदराबाद सेंट्रल जेल में देश का पहला जेंडर-न्यूट्रल सेल बनाया गया है। एनएचआरसी ने गुरुवार यह जानकारी दी। यह कदम 8 अक्टूबर को एनएचआरसी के विशेष मॉनिटर के जेल दौरे के बाद उठाया गया। विशेष मॉनिटर ट्रांसजेंडर लोगों और एलजीबीटी+ समुदाय के अधिकारों से जुड़े मामलों की जिम्मेदारी संभालते हैं। ट्रांसजेंडर



कैदियों के लिए पुरुष और महिला वार्ड से अलग, अलग वार्ड या सेल बनाए जाएं, लेकिन उन्हें पूरी तरह अलग-थलग न करें। अलग टॉयलेट और बाथरूम की सुविधा हो। तलाशी सिर्फ उसी जेंडर के व्यक्ति से कराई जाए, जिसे कैदी पसंद करे, या ट्रेंड मेडिकल स्टाफ से। स्ट्रिप सर्च सिर्फ प्राइवेट जगह पर हो, जेंडर जांचने के लिए नहीं। जेल में दाखिले के वक्त, मेडिकल जांच, कपड़े की व्यवस्था देखते हैं।

संक्षिप्त समाचार

चर्लापल्ली-बरौनी के बीच पूजा स्पेशल ट्रेन चलेगी, चर्लापल्ली से 8 और 15 नवंबर को रवाना होगी

हाजीपुर। दीपावली और छठ के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे चर्लापल्ली और बरौनी के बीच पूजा स्पेशल ट्रेन चलाएगा। ट्रेन दोनों दिशाओं में दो-दो फेरे लगाएगी। दक्षिण मध्य रेलवे ट्रेन ऑन डिमांड (टीओडी) योजना के तहत 07588/07589 चर्लापल्ली-बरौनी-चर्लापल्ली पूजा स्पेशल ट्रेन चलाएगा। रेलवे की सूचना के अनुसार, ट्रेन नंबर 07588 चर्लापल्ली-बरौनी 8 और 15 नवंबर 2026, रविवार को चर्लापल्ली से रवाना होगी। यह ट्रेन चर्लापल्ली से बरौनी के बीच दो फेरे लगाएगी।वापसी में ट्रेन नंबर 07589 बरौनी-चर्लापल्ली 10 और 17 नवंबर 2026, मंगलवार को बरौनी से रवाना होगी। यह ट्रेन भी दो फेरे लगाएगी। दोनों ट्रेनें मौजूदा समय-सारणी और तय ठहराव के अनुसार चलेंगी। इनके मार्ग, आने-जाने के समय और स्टेशनों पर ठहराव की जानकारी राष्ट्रीय ट्रेन पूछताछ प्रणाली (एनटीईएस) पर मिलेगी।रेलवे ने यात्रियों से यात्रा से पहले एनटीईएस पर समय-सारणी और ठहराव की जानकारी लेने को कहा है। इस ट्रेन से त्योहारों के दौरान घर लौटने वाले यात्रियों को यात्रा का एक अतिरिक्त विकल्प मिलेगा।



'गांव का संकल्प' के तहत चल रहे कार्यक्रम,गांवों में जागरूकता फैला रहीं जीविका दीदियां



हाजीपुर। वैशाली में जीविका दीदियां और प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय गांवों में नशे के नुकसान बता रहे हैं। जिलाधिकारी वर्षा सिंह की पहल पर जिला प्रशासन ने जागरूकता अभियान तेज किया है। ग्रामीणों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक और सामाजिक नुकसान की जानकारी दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने 27 अक्टूबर को नशामुक्त बिहार अभियान का दूसरा चरण 'गांव का संकल्प' शुरू किया था। इसके तहत जीविका संकुल स्तरीय संघों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जीविका दीदियां अपने परिवार और आसपास के लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित कर रही हैं। ब्रह्माकुमारी संस्था के कार्यक्रमों में आत्मसंयम, सकारात्मक सोच, मानसिक स्वास्थ्य और बेहतर जीवनशैली के बारे में बताया जा रहा है। युवाओं को नशे से दूर रहकर रचनात्मक गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। जिलाधिकारी वर्षा सिंह ने कहा कि नशामुक्त समाज बनाने के लिए प्रशासन के साथ हर व्यक्ति की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने नागरिकों से नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री और वितरण की जानकारी प्रशासन को देने की अपील की। व्हाट्सऐपः 8544424310,जिला नियंत्रण कक्षः 06224-260233, जिला नियंत्रण कक्षः 06224-260234 प्रशासन ने बताया कि प्राप्त सूचनाओं के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

ऑटो-बाइक की टक्कर में युवक की मौत, रोड एक्सीडेंट में साथी घायल, ड्राइवर ऑटो लेकर भागा

हाजीपुर। हाजीपुर-जंदाहा मुख्य मार्ग पर सुल्तानपुर चौक के पास टेंपो और बाइक की टक्कर में 20 वर्षीय मिथुन कुमार की मौत हो गई, जबकि बाइक पर सवार उनका साथी राजू कुमार घायल हो गया। हादसे के बाद टेंपो चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। हादसे के बाद राहगीर और आसपास के लोग मौके पर जुट गए। लोगों ने औद्योगिक क्षेत्र थानाध्यक्ष अरविंद पासवान को घटना की सूचना दी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों युवकों को सदर अस्पताल ले गई। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मिथुन को मृत घोषित कर दिया, जबकि राजू का प्राथमिक उपचार किया गया। मिथुन बराटी थाना क्षेत्र के चक बीबी निवासी भूटलन राय के बेटे थे। वह अपने साथी राजू के साथ सोनपुर के सबलपुर स्थित ननिहाल में श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। वहां से बाइक से घर लौटने के दौरान सुल्तानपुर के पास उनकी बाइक की टेंपो से टक्कर हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर मिथुन के परिजन सदर अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कराई। इसके बाद परिजन शव लेकर गांव चले गए। थानाध्यक्ष अरविंद पासवान ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों युवकों को अस्पताल पहुंचाया। हादसे में मिथुन की मौत हुई, जबकि राजू घायल हुए हैं। टेंपो चालक वाहन लेकर फरार हो गया।



वैभव सूर्यवंशी पहली बार संभालेंगे बिहार सीनियर टीम की कप्तानी, 14 नवंबर से इंदौर में मैच

पटना। बिहार के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को पहली बार राज्य की सीनियर क्रिकेट टीम की कप्तानी सौंपी गई है। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (BCA) ने सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी के शुरुआती 2 मुकाबलों के लिए शुक्रवार को 17 सदस्यीय टीम की घोषणा की। वैभव टीम के कप्तान होंगे, जबकि सूरज कश्यप को उपकप्तान बनाया गया है। वैभव के लिए कप्तानी की नई जिम्मेदारी उनके क्रिकेट करियर में एक अहम पड़ाव है। आईपीएल-अंतरराष्ट्रीय टी-20 में अपनी बेहतर बल्लेबाजी से पहचान बना चुके वैभव अब बिहार की सीनियर टीम का नेतृत्व करेंगे। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बिहार के शुरुआती दो मुकाबले 14 नवंबर से इंदौर में खेले जाएंगे। टीम चयन के लिए 4 से 6 नवंबर तक ट्रायल और खिलाड़ियों के हालिया प्रदर्शन का आकलन किया गया। बीसीए ने टीम के साथ 16 स्टैंडबाय खिलाड़ियों को भी रखा है। इनमें बिपिन सौरभ, सुमन कुमार, आकाश राज, खालिद आलम, भास्कर दुबे, कुमार रजनीश, सुयश, अभिजीत साकेत, यशस्वी ऋषभ, लखन राजा, पवन कुमार, अमित चौधरी, पीयूष सिंह, भानु कुमार, लोकेश बाबूलाल कुमार और प्रशांत श्रीवास्तव शामिल हैं। मंगल महौर और साकिब हुसैन का टीम में शामिल होना उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। शुरुआती दो मैचों के बाद दोनों की फिटनेस का आकलन कर उनकी उपलब्धता पर अंतिम फैसला लिया जाएगा।



SMAT T20 के लिए आज बिहार का फाइनल ट्रायल हुआ थाः पटना के मोइन-उल-हक स्टेडियम में शुक्रवार को आगामी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (SMAT) टी-20 के लिए बिहार क्रिकेट टीम का फाइनल चयन ट्रायल आयोजित किया गया था। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (BCA) की सीनियर चयन समिति की ओर से आयोजित इस ट्रायल में करीब 43 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इनमें बिहार के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भी शामिल रहे। वैभव के अलावा आईपीएल में अपनी प्रतिभा दिखा चुके तेज गेंदबाज साकिब हुसैन, मोहम्मद इजहार, बिपिन सौरभ, आकाश राज और सूरज कश्यप समेत कई खिलाड़ियों ने फाइनल ट्रायल में अपनी दावेदारी पेश की।

छठ घाट-तालाबों पर 187 सीसीटीवी कैमरे से रहेगी नजर, 16 पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम से होगी निगरानी

एजेंसी, पटना

▪ 75 वार्डों में 100-100 अतिरिक्त स्ट्रीट लाइट लगाने का काम शुरू

पटना नगर निगम ने छठ महापर्व को लेकर शहर में लाइटिंग, घाटों की सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन की तैयारियां तेज कर दी है। शहर के 75 वार्डों में 100-100 अतिरिक्त स्ट्रीट लाइट लगाने का अभियान चल रहा है। गंगा घाटों और प्रमुख तालाबों पर सीसीटीवी कैमरों के जरिए तैयारियों और भीड़ की निगरानी की जा रही है। निगम के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) से कैमरों की लाइव फीड के जरिए घाटों की स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

दो चरणों में हर वार्ड को मिल चुकीं 60 लाइटेंः अतिरिक्त स्ट्रीट लाइट लगाने के अभियान के तहत दूसरे चरण में सभी 75 वार्डों को 38-38 लाइटें उपलब्ध कराई गई है। इससे पहले प्रत्येक वार्ड को 22-22 लाइटें दी गई थीं। इस तरह अब तक हर वार्ड को 60 अतिरिक्त लाइटें मिल चुकी हैं। शेष 40 लाइटें भी अगले चरण में उपलब्ध कराई जाएंगी। इन लाइटों को अंधेरे वाले स्थानों, गलियों और जरूरत वाले क्षेत्रों में लगाया जा रहा है। नगर निगम का लक्ष्य छठ से पहले शहर के प्रमुख रास्तों और संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त रोशनी सुनिश्चित करना है।

तीन महीने में 33 हजार लाइटों की मरम्मतः नगर निगम के मुताबिक पिछले तीन महीनों में 33 हजार से अधिक स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत की गई है। खराब पाई गई 6 हजार से ज्यादा लाइटों को नई लाइटों से बदला गया है। इसके लिए 25-26 टीमें लगातार फील्ड में काम कर रही हैं। टीमें स्विच, वायर, बल्ब और अन्य तकनीकी हिस्सों की जांच कर मौके पर मरम्मत कर रही है।

घाटों पर हाईमास्ट और लाइट टावर भी तैयारः छठ के दौरान घाटों और संपर्क पथों पर रोशनी की व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। गंगा घाटों पर लाइट टावर लगाए जा रहे हैं, जिन पर चार से पांच फ्लड या मेटल लाइटें लगाई जाएंगी। इसके अलावा घाटों और संपर्क पथों पर पहले से मौजूद 50 हाईमास्ट और करीब 22 हजार स्थायी स्ट्रीट लाइटों की भी निगरानी की जा रही है।



187 कैमरों से 35 घाट-तालाबों पर नजरः भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा के लिए 35 संवेदनशील घाटों और तालाब परिसरों में आईसीसीसी से जुड़े 187 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इन कैमरों की लाइव फीड से श्रद्धालुओं की आवाजाही, भीड़ के दबाव और घाटों की व्यवस्थाओं पर नजर रखी जा रही है। कैमरों के जरिए प्रवेश-निकास, बैरिकेडिंग, सीढ़ियों और अन्य संवेदनशील स्थानों की निगरानी की जा रही है। किसी क्षेत्र में भीड़ बढ़ने या अव्यवस्था की स्थिति बनने पर कंट्रोल रूम से संबंधित टीम को तत्काल अलर्ट किया जा सकेगा।

NIT घाट से पुलिस-प्रशासन भी देखेगा लाइव फीडः अर्घ्य के दिन श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए एनआईटी घाट पर लाइव व्यूइंग सेंटर तैयार किया जाएगा। यहां पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी विभिन्न घाटों की सीसीटीवी फीड के जरिए निगरानी करेंगे। इससे घाटों पर तैनात टीम और कंट्रोल रूम के बीच समन्वय बेहतर होगा तथा आपात स्थिति में तेजी से कार्रवाई की जा सकेगी।

16 पीए सिस्टम से स्वच्छता का संदेशः घाटों पर 16 पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम लगाए गए हैं। इनके जरिए श्रद्धालुओं से पूजन सामग्री, फूल-माला, प्लास्टिक और अन्य कचरा गंगा में नहीं डालने की अपील की जा रही है। निर्धारित स्थानों पर कचरा डालने, घाटों पर स्वच्छता बनाए रखने और सुरक्षा निर्देशों का पालन करने संबंधी संदेश भी लगातार प्रसारित किए जा रहे हैं।

धनतेरस पर तेजस्वी यादव ने खरीदी 80 लाख की गाड़ी

ऑटो मोबाइल-ज्वेलरी शॉप में खरीदारों की भीड़

एजेंसी, पटना

बिहार में धनतेरस पर बाजारों में खरीदारों की भारी भीड़ है। इलेक्ट्रॉनिक दुकान, ऑटो-मोबाइल शॉप, ज्वेलरी शॉप पर ज्यादा खरीदार हैं।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने नई गाड़ी खरीदी है। उनकी नई गाड़ी इलेक्ट्रिक MPV MG M9 EV है, जिसकी एक्स-शोरूम कीमत करीब 70 से 80 लाख के बीच बताई जा रही है।

दोपहर 3 बजे के बाद पटना के बाजार में खरीदारों की भीड़ बढ़ गई है। इस बार खरीदारी का दायरा सिर्फ सोने-चांदी के आभूषण और पारंपरिक सामान तक सीमित नहीं है। बल्कि इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल और स्मार्ट गैजेट्स की दुकानों में भी



ग्राहकों की भीड़ बढ़ी है। सोने-चांदी के सिक्के और मूर्तियों की खूब बिक्री हो रही है।

वहीं, कारों की डिलीवरी भी देर रात होगी। स्टील बर्तन की भी डिमांड है। इलेक्ट्रॉनिक में इंडक्शन की मांग बढ़ गई है। ज्योतिषाचार्य के अनुसार, धन त्रयोदशी की तिथि सुबह 11:06 बजे से पूरे दिन होने का कारण पूजा-पाठ, निवेश और खरीदारी देर रात तक चलेगी।

बीपीएससी 71वीं मेंस का रिजल्ट जारी, 3392 कैंडिडेट्स सफल, 1298 पदों के लिए अब इंटरव्यू की तैयारी में जुटेंगे

एजेंसी, पटना

बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) ने 71वीं के कैंडिडेट्स का इंतजार खत्म हो गया है। आयोग ने संयुक्त मुख्य प्रतियोगिता परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है। इस परीक्षा में कुल 3392 अभ्यर्थियों को सफलता मिली है। ये अभ्यर्थी अब चयन प्रक्रिया के अगले चरण यानी इंटरव्यू में शामिल होंगे। आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर कुछ घंटों बाद रिजल्ट उपलब्ध कराया जाएगा।

1298 पदों के लिए हुई थी परीक्षाः BPSC की 71वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के जरिए बिहार सरकार के विभिन्न विभागों में कुल 1298 पदों पर नियुक्ति होनी है। इसके लिए प्रारंभिक परीक्षा 13 सितंबर 2025 को आयोजित की गई थी। परीक्षा राज्य के 37 जिलों में 912 केंद्रों पर हुई थी। इसमें 4.71 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था, जबकि 3.16 लाख से अधिक अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए थे।

अब इंटरव्यू की होगी तैयारीः मुख्य परीक्षा में सफल घोषित अभ्यर्थियों को अब आगे की चयन प्रक्रिया के लिए तैयारी करनी होगी। मुख्य परीक्षा के परिणाम के बाद आयोग की ओर से साक्षात्कार (इंटरव्यू) की प्रक्रिया और उससे संबंधित कार्यक्रम जारी किया जाएगा। अंतिम चयन मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार में प्राप्त अंकों के आधार पर निर्धारित नियमों के अनुसार किया जाएगा।



PT में 14,261 अभ्यर्थी हुए थे सफलः PT परीक्षा का परिणाम 18 नवंबर 2025 को जारी किया गया था। इसमें कुल 14,261 अभ्यर्थियों को सफलता मिली थी। इनमें 13,368 अभ्यर्थी 71वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा और 893 अभ्यर्थी वित्तीय प्रशासनिक पदाधिकारी के पदों के लिए सफल घोषित किए गए थे। इसके बाद सफल अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा में शामिल होने का मौका मिला।

अप्रैल में हुई थी मुख्य परीक्षाः 71वीं संयुक्त मुख्य प्रतियोगिता परीक्षा 25 से 30 अप्रैल 2026 के बीच आयोजित की गई थी। मुख्य परीक्षा में शामिल अभ्यर्थी लंबे समय से परिणाम का इंतजार कर रहे थे। अब आयोग ने 3392 अभ्यर्थियों को सफल घोषित किया है। मुख्य परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को अब इंटरव्यू की प्रक्रिया से गुजरना होगा। इसके बाद अंतिम मेधा सूची जारी की जाएगी।

कहां और कैसे चेक करें रिजल्ट?: अभ्यर्थी BPSC की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर रिजल्ट से संबंधित अपडेट प्राप्त कर सकते हैं। आधिकारिक वेबसाइटः https://bpsc.bihar.gov.in/ वेबसाइट पर रिजल्ट पीडीएफ उपलब्ध होने के बाद अभ्यर्थी उसमें अपना रोल नंबर सर्च करके परिणाम देख सकेंगे। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे आयोग की आधिकारिक सूचना और आगे जारी होने वाले निर्देशों पर नजर बनाए रखें। 3392 अभ्यर्थियों की सफलता के साथ अब BPSC 71वीं परीक्षा का अगला चरण अहम होने जा रहा है। सफल उम्मीदवारों की निगाहें अब इंटरव्यू और अंतिम चयन सूची पर रहेंगी।

सरेंडर से पहले अनंत सिंह ने दिखाई ताकत

पटना से प्रयागराज तक रोड शो; बक्सर में चांदी का मुकुट पहनाया, आरा में बोले- खूब बढ़िया

एजेंसी, पटना

मोकामा विधायक अनंत सिंह आज पटना से प्रयागराज के लिए निकले हैं। पटना से निकलते वक्त अनंत सिंह ने कहा कि वो प्रयागराज पुराने मित्र पप्पू सलमान के घर शादी समारोह में शामिल होने जा रहे हैं। मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। बिहार ही नहीं पूरे देश में मेरे समर्थक हैं। प्रयागराज जाने के दौरान आरा, बस्कर समेत कई जगहों पर अनंत सिंह का भव्य स्वागत किया गया। अनंत सिंह के काफिले में करीब 100 से ज्यादा गाड़ियां शामिल हैं। इसे सरेंडर से पहले शक्ति प्रदर्शन से भी जोड़कर देखा जा रहा है। आरा में अनंत सिंह सिंह से पूछा गया कि आरा आकर कैसा लग रहा है तो उन्होंने कहा बहुत बढ़िया। वहीं बक्सर में समर्थकों ने अनंत सिंह को चांदी का मुकुट पहनाया। वाराणसी में अनंत सिंह ने BJP विधायक सुशील सिंह को निमंत्रण दिया है। सुशील सिंह ने कहा कि अनंत सिंह हमारे कार्यालय आकर बेटी की शादी का निमंत्रण दिए हैं।

शादी के बाद नोटिस का देंगे जवाबः बिहार विधानसभा की ओर से सात दिनों के अंदर सदस्यता समाप्त करने से जुड़े मामले में जवाब मांगा गया है। इस सवाल पर अनंत सिंह ने कहा कि वे शादी के बाद इसका जवाब देंगे। पहले



अपना काम करूंगा, फिर जवाब दूंगा। इसमें कोई दिक्कत नहीं है।'

लालू-तेजस्वी को भी देंगे बेटी की शादी का कार्डः अनंत सिंह ने कहा कि वे अपनी बेटी की शादी का निमंत्रण कार्ड देने के लिए लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव समेत सभी लोगों के घर जाएंगे। नेतागिरी अपनी जगह है। बेटी की शादी है, सबको बुलाएंगे।

बाढ़ मुआवजे पर बोले- लौटकर बताऊंगाः तेजस्वी यादव के उस बयान पर, जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार पर बिहार के बाढ़ पीड़ितों को अब तक सहायता और मुआवजा नहीं देने का आरोप लगाया था, अनंत सिंह ने कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। वापस आने के बाद इस पर कुछ बताएंगे।

जदयू की समीक्षा बैठक पर टिप्पणी से किया इनकारः जदयू की समीक्षा बैठक में नीतीश कुमार, निशांत कुमार और ललन सिंह के शामिल नहीं होने को लेकर पूछे गए सवाल पर अनंत सिंह ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि नेतागिरी के सवाल पर अभी कुछ नहीं कहेंगे। वापस आने के बाद इस विषय पर जानकारी देंगे।

भव्य रोड शो की तैयारी में समर्थकः पटना से प्रयागराज तक भव्य रोड शो की तैयारी है। इसके लिए पूरा रूट मैप और जगह-जगह स्वागत कार्यक्रम की सूची जारी की गई है।आरा, बक्सर, मोहनिया और बनारस होते हुए रात 9 बजे प्रयागराज पहुंचेंगे। इस दौरान बिहार और उत्तर प्रदेश में कई जगहों पर समर्थक उनका स्वागत करेंगे। इसे अनंत सिंह के शक्ति प्रदर्शन के तौर पर भी देखा जा रहा है।

4 दिसंबर तक करना है सरेंडर, 25 को बेटी की शादीः दरअसल, दुलारचंद यादव हत्याकांड में सुप्रीम कोर्ट ने अनंत सिंह को 4 दिसंबर तक या उससे पहले संबंधित जांच अधिकारी के सामने सरेंडर करने का आदेश दिया है। अनंत सिंह की छोटी बेटी शिवांगी की शादी 25 नवंबर को होनी है। शादी की तैयारियों के बीच वे लगातार अपने क्षेत्र में सक्रिय हैं।

3 शूटर ढेर, 20 मिनट चली मुठभेड़ पुलिस पर 24 राउंड फायरिंग

एजेंसी, पटना

पटना में शुक्रवार को पुलिस ने 3 अपराधियों का एनकाउंटर कर दिया। पटना SSP कार्तिकेय शर्मा ने बताया, सुबह करीब 4.30 बजे हुई मुठभेड़ में अपराधियों ने पुलिस पर 24 राउंड फायरिंग की। करीब 20 मिनट तक दोनों ओर से गोलीबारी हुई। जवाब में पुलिस की ओर से 18 राउंड गोलियां चलाई गईं।

फायरिंग में राजा शर्मा, बबलू कुमार यादव और जेपी यादव घायल हो गए। अस्पताल पहुंचने से पहले तीनों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, तीनों पेशेवर शूटर थे और सुपारी लेकर मर्डर करते थे।

मुठभेड़ में मनेर थाना के SHO रजनीश कुमार भी जख्मी हुए हैं। उनके हाथ में गोली लगी है। घटना शेरपुर गंगा घाट के पास की है। मौके से एक देशी पिस्टल, दो देशी कट्टे बरामद हुए हैं।

मारे गए आरोपियों के परिजन ने एनकाउंटर पर सवाल उठाते हुए अस्पताल में करीब 5 घंटे हंगामा किया। लोगों ने पुलिस के साथ हाथापाई की, पथराव किया और गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए। काफी मशक्कत के बाद मामला शांत हुआ।

पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए पटना एम्स भेजे हैं। राजद सांसद मीसा भारती ने भी कहा, एक जाति के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।



▪ परिजन का हंगामा-तोड़फोड़, एम्स में पोस्टमॉर्टम

सड़क हादसे में महिला की मौत, पति के साथ बाइक से घर लौट रही थी

एजेंसी, पटना

पटना जिले के फतुहा में तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में एक महिला की मौत हो गई। पति के साथ गंगा स्नान के लिए गई थी। घर लौटते समय हादसे की शिकार हो गई। इस दुर्घटना ने चार मासूम बच्चों के सिर से मां का साया हमेशा के लिए छीन लिया है। मृतका की पहचान करायपरशुराय थाना क्षेत्र स्थित बेरथू गांव निवासी मिंटू पासवान की पत्नी सोनी देवी (37) के रूप में हुई है। घटना धोबा पुल के पास की है।

तेज रफ्तार ट्रक ने रौंदाः ग्रामीणों के अनुसार, सोनी देवी अपने पति समसपुर स्थित त्रिवेणी घाट पर स्नान करने गई थीं। स्नान के बाद दोनों बाइक से अपने घर लौट रहे थे, रास्ते में अनियंत्रित ट्रक ने उनकी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया।

मामले की जांच में जुटी पुलिसः मृतका का मायका प्रवीणचक इलाके में ही था और दुर्घटना स्थल उनके मायके के बेहद करीब था। मायके के नजदीक पहुंचकर अपनों से मिलने की उम्मीद थी, लेकिन घर पहुंचने से पहले ही उनकी जिंदगी का यह सफर हमेशा के लिए थम गया।



मिंटू पासवान खेती और मजदूरी कर किसी तरह अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। अचानक हुई इस अनहोनी से चार बच्चों के सिर से मां का साया उठ गया है। सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए पटना NMC भेज दिया है।

छठ पर बिहार के अस्पतालों में 24 घंटे इलाज

एजेंसी, पटना

दीपावली और छठ के दौरान बिहार के सरकारी अस्पतालों में 24 घंटे इलाज की व्यवस्था रहेगी। छठ घाटों पर मेडिकल कैंप लगाए जाएंगे और एम्बुलेंस तैनात रहेगी। स्वास्थ्य विभाग ने त्योहारों के दौरान मेडिकल इमरजेंसी से निपटने के लिए विशेष तैयारी की है।

डॉक्टर, स्टाफ की छुट्टियां रद्दः विभाग ने मेडिकल कॉलेज-अस्पतालों, जिला अस्पतालों, अनुमंडलीय अस्पतालों और पीएचसी-सीएचसी को निर्देश जारी किए हैं। 6 से 17 नवंबर तक डॉक्टरों, नर्सों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की छुट्टियां रद्द रहेंगी। विशेष परिस्थिति में सक्षम अधिकारी की अनुमति से ही छुट्टी मिल सकेगी। इस अवधि में सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की ड्यूटी अनिवार्य होगी। अस्पतालों में ड्यूटी रोस्टर बनाया जाएगा और उसके मुताबिक कर्मचारियों की तैनाती होगी। रोस्टर इमरजेंसी वार्ड और सूचना पट्ट पर लगाया जाएगा, ताकि मरीजों और उनके परिजनों को ड्यूटी पर मौजूद कर्मचारियों



की जानकारी मिल सके।

24 घंटे मिलेगी इमरजेंसी सेवाः दीपावली पर पटाखों से जलने, आंखों में चोट लगने और सांस लेने में परेशानी जैसी स्थिति से निपटने के लिए अस्पतालों को तैयार रहने को कहा गया है। अस्पतालों में 24 घंटे इमरजेंसी सेवा चालू रहेगी। जरूरी दवाइयों, पट्टियों, सर्जिकल सामान, आईवी फ्लूड और ऑक्सीजन का पर्याप्त स्टॉक रखने के निर्देश हैं। बर्न वार्ड, क्रिटिकल केयर बेड और वेंटिलेटर की उपलब्धता भी सुनिश्चित करनी होगी। छठ के दौरान प्रमुख और संवेदनशील घाटों पर मेडिकल कैंप लगाए जाएंगे। यहां डॉक्टर, नर्स और पैरामेडिकल स्टाफ की शिफ्ट के मुताबिक ड्यूटी लगेगी। सिविल सर्जन को स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर मेडिकल कैंप लगाने के निर्देश दिए गए हैं। 102 समेत अन्य एंबुलेंस सेवाओं को भी अलर्ट रखा जाएगा। एंबुलेंस में ऑक्सीजन, जीवनरक्षक उपकरण, फर्स्ट एड किट और पर्याप्त ईंधन उपलब्ध रखना होगा। भीड़भाड़ वाले इलाकों और प्रमुख छठ घाटों के पास एम्बुलेंस की तैनाती होगी, ताकि जरूरत पड़ने पर मरीजों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया जा सके। दीपावली के दौरान आग लगने की आशंका को देखते हुए सभी अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रखने का निर्देश दिया गया है।

फायर एक्सटिंग्विशर, फायर अलार्म और इमरजेंसी निकासी रास्तों की जांच होगी। ऑक्सीजन प्लांट, सिलेंडर स्टोर और अस्पताल परिसर के आसपास दीये, मोमबत्ती और पटाखे जलाने पर पूरी तरह रोक रहेगी। त्योहारों के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी के लिए सभी जिलों में सिविल सर्जन कार्यालय के तहत 24 घंटे कंट्रोल रूम संचालित होगा। इसके लिए नोडल पदाधिकारी नियुक्त किए जाएंगे और हेल्पलाइन नंबरों का प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

आधुनिक कृषि यंत्रों से किसानों की समृद्धि का मार्ग होगा प्रशस्तः जिलाधिकारी

दो दिवसीय कृषि यंत्रीकरण मेला में 70 लाख की बिक्री



बीएनएम @ मोतिहारी। सदर प्रखंड कृषि कार्यालय, छतौनी परिसर में जिला कृषि अभियंत्रण कार्यालय के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय कृषि यंत्रीकरण मेले का सफलतापूर्वक समापन हो गया। समापन दिवस पर जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने मेले का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न स्टॉलों पर प्रदर्शित कृषि यंत्रों का अवलोकन किया तथा उनकी उपयोगिता, विशेषताओं और कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने किसानों से संवाद करते हुए आधुनिक कृषि यंत्रों को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि कृषि यंत्रीकरण से खेती की लागत और श्रम में कमी आती है। साथ ही कृषि कार्य निर्धारित समय पर पूरा होता है, जिससे उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ने के साथ किसानों की आय में भी वृद्धि होती है। मेले के दौरान लॉटरी के माध्यम से चयनित किसानों के बीच कृषि यंत्रों की खरीद के लिए कुल 1,775 परमिट वितरित किए गए। वहीं, कस्टम हायरिंग सेंटर योजना के तहत जिलाधिकारी ने एक किसान समूह को ट्रैक्टर की चाबी सौंपकर उसे उपलब्ध कराया। जिलाधिकारी ने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि सरकारी कृषि यंत्रीकरण योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक किसान इन योजनाओं का लाभ उठा सकें। उन्होंने पात्र किसानों को नियमानुसार अनुदान उपलब्ध कराने में आवश्यक सहयोग देने तथा कृषि यंत्रों की मरम्मत के लिए स्थानीय कुशल कारीगरों को आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण देने पर भी जोर दिया। मेले में सुपर सीडर, जीरो टिलेज मशीन, रोटावेटर, सीड ड्रिल, रीपर, थ्रेसर, पावर टिलर सहित कई आधुनिक कृषि यंत्रों का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान किसानों को कृषि यंत्रों के उपयोग, रखरखाव और सरकारी अनुदान प्राप्त करने की प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। दो दिवसीय मेले की प्रमुख उपलब्धि रही कि इस दौरान लगभग 70 लाख रुपये मूल्य के कृषि यंत्रों की बिक्री हुई। जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे हजारों किसानों ने मेले में उत्साहपूर्वक भाग लिया और आधुनिक कृषि तकनीकों एवं यंत्रों के प्रति अपनी रुचि दिखाई। कार्यक्रम के अंत में उपनिदेशक, कृषि अभियंत्रण, पूर्वी चंपारण ने धन्यवाद ज्ञापन किया। मेले के सफल आयोजन में जिला, अनुमंडल एवं प्रखंड स्तर के कृषि पदाधिकारियों और कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जिला फेंसिंग चैंपियनशिप में 100 खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, चयनित खिलाड़ी पटना में करेंगे जिले का प्रतिनिधित्व

बीएनएम @ मोतिहारी। जिला स्कूल इंडोर स्टेडियम में 5 और 6 नवंबर को जिला फेंसिंग चैंपियनशिप 2026-27 का आयोजन किया गया। ईस्ट चंपारण फेंसिंग एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में जिले के करीब 100 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का उद्घाटन अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में सब-जूनियर, जूनियर और सीनियर आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने विभिन्न मुकाबलों में अपनी खेल प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखने को मिला। बेहतर प्रदर्शन के आधार पर चयनित खिलाड़ी 10 से 13 नवंबर तक पटना में आयोजित राज्य स्तरीय फेंसिंग चैंपियनशिप में पूर्वी चंपारण का प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्यक्रम में डिप्टी मेयर प्रत्याशी संजीत कुमार उर्फ मुन्ना कुमार, नगधा सेवा समिति के संस्थापक अध्यक्ष मुन्ना गिरी, ईस्ट चंपारण फेंसिंग एसोसिएशन के सचिव शुभम सिंह, स्पोर्ट्स क्रिकेट क्लब के सचिव रवि कुमार, ईस्ट चंपारण फुटबॉल एसोसिएशन के सचिव प्रभाकर जायसवाल, ग्रेपलिंग कुश्ती संघ के अध्यक्ष विनोद जायसवाल, बॉल बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव दीपक कश्यप, वुशु एसोसिएशन के सचिव मनजय कुमार, साइक्लिंग एसोसिएशन के सचिव मनीष सिंह सहित विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारी और समाजसेवी मौजूद रहे। आयोजन अध्यक्ष धुनमुन सिंह, आयोजन सचिव पवन कुमार और पीटीआई निशांत कुमार ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ईस्ट चंपारण फेंसिंग एसोसिएशन के चेयरमैन सुभाष सिंह ने बताया कि एसोसिएशन का उद्देश्य जिले में फेंसिंग खेल को बढ़ावा देना और ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों की प्रतिभाओं को बेहतर मंच उपलब्ध कराना है। उन्होंने उम्मीद जताई कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करेंगे।



धनतेरस पर स्कूली बच्चों ने लगाए पौधे पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

बीएनएम @ मोतिहारी



दीपावली एवं छठ पर्व के पूर्व वन विभाग के सहयोग से मेहसी प्रखंड के उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय भीमलपुर और उत्क्रमित मध्य विद्यालय चक्की में पर्यावरण की पाठशाला आयोजित की गई। इस दौरान बच्चों को प्रकृति संरक्षण, पौधारोपण और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का संदेश दिया गया। धनतेरस के अवसर पर विद्यालय परिसर में छात्र-छात्राओं ने पौधारोपण भी किया। पाठशाला को संबोधित करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता विनय कुमार ने कहा कि भारतीय संस्कृति में प्रकृति को भगवान मानकर उसकी पूजा करने की परंपरा रही है। भूमि, गगन, वायु और नीर को जीवन का आधार बताते हुए उन्होंने कहा कि धनतेरस, दीपावली, छठ और गंगा स्नान जैसे पर्वों में भी प्रकृति संरक्षण का संदेश निहित है। वर्तमान समय में बढ़ते पर्यावरण संकट के बीच इन परंपराओं की प्रासंगिकता और बढ़ गई है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ. संतोष कुमार सिंह ने कहा कि पेड़-पौधों, नदियों, पर्वतों, जलस्रोतों और जीव-जंतुओं की पूजा के पीछे प्रकृति संरक्षण की भावना छिपी है। वहीं श्रीमती शिल्पा रानी ने बच्चों को पौधारोपण के साथ लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने की सलाह दी। प्रभारी प्रधानाध्यापक पुष्पम कुमारी ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य लोक परंपराओं में निहित प्रकृति प्रेम से नई पीढ़ी को जोड़ना और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए खुशबू कुमारी सिंह ने कहा कि एक पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा, जलवायु संतुलन और जीवन का आधार है। कार्यक्रम के अंत में छात्र-छात्राओं ने विद्यालय परिसर में पौधे लगाए। आयोजन को सफल बनाने में पर्यावरण प्रेमी राज गुरु, बंटी लाल सहनी, फरहान अहमद, दिनेश कुमार, प्रिया भारती, युगल किशोर, दिव्या कुमारी और सरस्वती कुमारी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मौके पर इको क्लब के सदस्य और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

पानी से जलने वाले स्वास्तिक दीये का हुआ प्रदर्शन, कुम्हार भी करेंगे निर्माण

बीएनएम @ मोतिहारी



दीपावली के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने की पहल की गई। इस क्रम में डॉ. शम्भूनाथ सीकरिया ने भारत निर्मित पानी से जलने वाले स्वास्तिक दीयों का प्रदर्शन किया और लोगों के बीच उनका वितरण किया। इसके साथ ही केवल रोशनी उत्पन्न करने वाले प्रदूषणमुक्त पटाखे भी वितरित किए गए। डॉ. सीकरिया ने कहा कि भारतीय संस्कृति में दीपक और प्रकाश का विशेष महत्व है। दीपावली खुशियों और रोशनी का पर्व है। ऐसे में इस त्योहार को पर्यावरण के अनुकूल तरीके से मनाने की जरूरत है। पानी से प्रज्वलित होने वाले स्वदेशी दीये इस दिशा में एक अभिनव पहल हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में स्थानीय कुम्हारों को भी इन दीयों के निर्माण से जोड़ा जाएगा, ताकि उन्हें रोजगार का नया अवसर मिले और स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रदूषणमुक्त भारत बनाने का संकल्प है। इस दिशा में छोटे-छोटे प्रयास भी महत्वपूर्ण हैं। केवल रोशनी देने वाले पटाखों और पानी से जलने वाले दीयों के इस्तेमाल को बढ़ावा देकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दिया जा सकता है। इस अवसर पर उन्होंने सनातन संस्कृति के व्यापक प्रसार की कामना करते हुए कहा कि 2027 में उत्तर प्रदेश, 2029 में संपूर्ण भारत और 2034 तक विश्वभर में सनातन संस्कृति के मूल्यों, आदर्शों और विचारों का व्यापक प्रभाव स्थापित हो। उन्होंने सभी को दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं।

चंपारण प्रीमियर लीग के ट्रायल में 247 खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

बीएनएम @ मोतिहारी



ट्रायल लेते चयनसमिति के सदस्यगण

ईस्ट चंपारण डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में नगर के गांधी मैदान के ग्राउंड नंबर-3 पर चंपारण प्रीमियर लीग (सीपीएल) क्रिकेट टूर्नामेंट में भागीदारी के लिए खिलाड़ियों का ट्रायल सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस ट्रायल में पूर्वी चंपारण और पश्चिमी चंपारण के कुल 247 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा एवं क्रिकेट कौशल का प्रदर्शन किया। ट्रायल के दौरान खिलाड़ियों में चंपारण प्रीमियर लीग को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। चयनकर्ता के रूप में प्रकाश कुमार सिंह कन्हैया, राशिद जमाल खान एवं अभिषेक कुमार छोटू ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस लीग का मुख्य उद्देश्य चंपारण के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में छिपी क्रिकेट प्रतिभाओं को एक बड़ा मंच प्रदान करना तथा उन्हें अपनी प्रतिभा निखारने और आगे बढ़ने का अवसर उपलब्ध कराना है। चंपारण प्रीमियर लीग के मुकाबले आगामी 20 नवंबर से पटना स्थित पंकज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित किए जाएंगे। लीग के सभी मैच टर्फ विकेट पर खेले जाएंगे। इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के साथ आकर्षक पुरस्कार जीतने का भी अवसर मिलेगा। टूर्नामेंट की विजेता टीम को एक लाख रुपये, जबकि उपविजेता टीम को 51 हजार रुपये की नकद पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। इसके अलावा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी अन्य आकर्षक पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। आकर्षक इनामी राशि और बड़े मंच पर खेलने के अवसर को लेकर खिलाड़ियों में इस लीग के प्रति विशेष उत्साह देखा जा रहा है। गौरतलब है कि चंपारण प्रीमियर लीग महज एक क्रिकेट टूर्नामेंट नहीं, बल्कि चंपारण की छिपी हुई खेल प्रतिभाओं को पहचान दिलाने, उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराने और बिहार क्रिकेट को नई ऊर्जा एवं दिशा देने की एक महत्वपूर्ण पहल है।

भारत-नेपाल सीमा सुरक्षा पर एसएसबी-एपीएफ की बैठक, वॉलीबॉल में एसएसबी की 3-0 से जीत

बीएनएम @ मोतिहारी



भारत-नेपाल सीमा पर शांति, सुरक्षा और आपसी समन्वय को मजबूत करने के उद्देश्य से शुक्रवार को 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), पिपराकोठी, मोतिहारी एवं नेपाल सशस्त्र प्रहरी बल की 12वीं वाहिनी के बीच कमांडेंट स्तरीय बैठक नेपाल के कलैया स्थित वाहिनी मुख्यालय में आयोजित हुई। उक्त बैठक में कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार तथा नेपाल सशस्त्र प्रहरी बल की ओर से पुलिस अधीक्षक विशाल सिलवाल और 11वीं वाहिनी के पुलिस अधीक्षक चेतराज जोशी शामिल हुए। इस दौरान सीमा पार तस्करी, मानव तस्करी, मादक पदार्थों के अवैध कारोबार, नकली मुद्रा और अन्य आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान एवं संयुक्त कार्रवाई पर सहमति बनी। दोनों पक्षों ने भारत-नेपाल के पारंपरिक बेटी-रोटी के संबंधों को और मजबूत बनाने तथा सीमा क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और सद्भाव बनाए रखने पर जोर दिया। बैठक के दौरान दोनों देशों के जवानों ने पारंपरिक लोकनृत्यों की प्रस्तुति देकर सांस्कृतिक सौहार्द का संदेश दिया। वहीं, आयोजित मैत्रीपूर्ण वॉलीबॉल मुकाबले में 71वीं वाहिनी एसएसबी, मोतिहारी की टीम ने नेपाल एपीएफ को 3-0 से पराजित किया। इस अवसर पर कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार ने कहा कि ऐसे खेल आयोजन दोनों देशों के जवानों के बीच आपसी विश्वास, भाईचारे और मैत्रीपूर्ण संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बैठक और संयुक्त गतिविधियों के माध्यम से दोनों सुरक्षा बलों ने भारत-नेपाल सीमा पर शांति, सुरक्षा और पारंपरिक मित्रता को और सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

केंद्रीय कारा का जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव ने किया निरीक्षण

विधिक सहायता क्लिनिक को सुदृढ़ करने और बंदियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी



जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव नितिन त्रिपाठी ने शुक्रवार को केंद्रीय कारा, मोतिहारी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं, भोजन की गुणवत्ता, साफ-सफाई, स्वास्थ्य सेवाओं एवं निःशुल्क विधिक सहायता की व्यवस्था का गहन जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कारा अधीक्षक विजय अरोड़ा एवं पैनल विजिटिंग अधिवक्ता आयुषी अमृत भी उपस्थित रहीं। निरीक्षण के क्रम में सचिव ने बंदियों को स्वच्छ, पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। साथ ही कारा परिसर, रसोईघर, शौचालय एवं स्नानागार में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि बंदियों को बेहतर एवं स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना कारा प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। विधिक सहायता व्यवस्था की समीक्षा करते हुए श्री त्रिपाठी ने कारा में संचालित विधिक सहायता क्लिनिक को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने तथा नए सुव्यवस्थित क्लिनिक की स्थापना पर बल दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि बंदियों से प्राप्त विधिक सहायता संबंधी आवेदनों, उनके मुकदमों की वर्तमान स्थिति तथा उपलब्ध कराई गई कानूनी सहायता का नियमित रिकॉर्ड संधारित किया जाए। पैनल विजिटिंग अधिवक्ता को भी नियमित रूप से बंदियों से मिलकर उनकी विधिक समस्याएं सुनने और जरूरत के अनुसार निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। सचिव ने कारा अस्पताल का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दवाओं की उपलब्धता, अस्पताल की साफ-सफाई एवं बंदियों को समय पर समुचित चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने की व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने का निर्देश दिया। इसके अलावा उन्होंने महिला एवं विदेशी बंदियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त की। महिला बंदियों के साथ रह रहे छह वर्ष से कम उम्र के बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सर्वांगीण विकास के लिए विशेष व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया। निरीक्षण के अंत में श्री त्रिपाठी ने कहा कि कारा प्रशासन की जिम्मेदारी केवल सुरक्षा एवं अनुशासन बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि बंदियों के मानवीय, स्वास्थ्य एवं विधिक अधिकारों का संरक्षण करना भी उसका महत्वपूर्ण दायित्व है। उन्होंने कारा अधीक्षक को निरीक्षण के दौरान दिए गए सभी निर्देशों का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार का मुख्य उद्देश्य कारा में निरुद्ध प्रत्येक व्यक्ति को उसके विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा आवश्यकता के अनुरूप प्रभावी निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराना है, ताकि आर्थिक या अन्य किसी कारण से कोई भी व्यक्ति न्याय पाने के अधिकार से वंचित न रहे।

दीपावली पर सफाई कर्मियों को मिलेगा एक-एक हजार रुपये बोनस

महापौर प्रीति कुमारी की पहल पर नगर निगम ने लिया निर्णय, कर्मियों के बैंक खातों में भेजी जा रही राशि

बीएनएम @ मोतिहारी



दीपावली के अवसर पर नगर निगम मोतिहारी ने सफाई कर्मियों को खुशियों का तोहफा दिया है। नगर निगम की ओर से शहर की सफाई व्यवस्था में जुटे सभी सफाई कर्मियों और विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से कार्यरत कर्मियों को प्रति कर्मी एक हजार रुपये बोनस दिया जा रहा है। बोनस की राशि संबंधित कर्मियों के बैंक खातों में सीधे हस्तांतरित की जा रही है। महापौर प्रीति कुमारी के विशेष निर्देश पर नगर आयुक्त आशीष कुमार ने इस पहल को सुनिश्चित किया है। इसका उद्देश्य सफाई कार्य में लगे कर्मियों को दीपावली के अवसर पर आर्थिक सहयोग देना है, ताकि वे अपने परिवार के साथ त्योहार की खुशियां मना सकें। महापौर प्रीति कुमारी ने कहा कि शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में सफाई कर्मियों का योगदान बेहद महत्वपूर्ण है। वे दिन-रात मेहनत कर शहर की स्वच्छता व्यवस्था को बनाए रखते हैं। उनके परिश्रम और समर्पण का सम्मान करना नगर निगम की जिम्मेदारी है। बोनस के रूप में दी जा रही यह राशि उनके प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने का एक प्रयास है। नगर निगम ने सभी सफाई कर्मियों और एजेंसियों के माध्यम से कार्यरत कर्मियों के योगदान की सराहना करते हुए उनके परिवारों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की है।

खोए मोबाइल लौटाकर मोतिहारी पुलिस ने दीपावली पर दिया उपहार, बरामदगी का बनाया नया रिकॉर्ड

बीएनएम @ मोतिहारी



दीपावली और धनतेरस के मौके पर मोतिहारी पुलिस ने जिले के लोगों को बड़ी राहत दी है। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर चलाए गए विशेष अभियान में पुलिस ने अब तक की सर्वाधिक संख्या में गुम और खोए हुए मोबाइल फोन बरामद किए हैं। लंबे समय से अपने मोबाइल की तलाश कर रहे लोगों को जब उनका फोन वापस मिला तो उनके चेहरे खुशी से खिल उठे। मोबाइल बरामदगी के बाद पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने स्वयं कई मोबाइल धारकों को फोन कर इसकी जानकारी दी। इसके बाद संबंधित लोगों को पुलिस कार्यालय और थानों में बुलाकर उनके मोबाइल सौंपे गए। त्योहार के दिन अचानक एसपी का फोन आने और खोया हुआ मोबाइल वापस मिलने से लोग काफी उत्साहित नजर आए। मोबाइल की बरामदगी में पुलिस की तकनीकी टीम और सर्विलांस सेल की अहम भूमिका रही। टीम ने तकनीकी अनुसंधान के आधार पर अलग-अलग स्थानों से गुम हुए मोबाइल फोन को खोज निकाला। बरामद मोबाइल मिलने पर लोगों ने एसपी स्वर्ण प्रभात और उनकी पूरी टीम के प्रति आभार जताया। पुलिस की इस पहल को आम लोगों ने सराहनीय बताया। त्योहार के अवसर पर मोबाइल वापस मिलने से लोगों को आर्थिक नुकसान से राहत मिली है। साथ ही इस कार्रवाई से पुलिस के प्रति आम जनता का भरोसा मजबूत होने की उम्मीद है।

दीपों की रोशनी के साथ एलआईसी ने दिया सुरक्षा और समृद्धि का संदेश

» अनिल वर्मा ने कहा- हर परिवार तक आर्थिक सुरक्षा का प्रकाश पहुंचाना एलआईसी का संकल्प

बीएनएम @ मोतिहारी



भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), मोतिहारी शाखा की ओर से दीपावली के पावन अवसर पर बीमाधारकों के सुख, समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ शुक्रवार को भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निगम के अधिकारियों, कर्मचारियों, विकास अधिकारियों, अभिकर्ताओं एवं गणमान्य अतिथियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य दीपावली के प्रकाश पर्व के माध्यम से आपसी सौहार्द, सकारात्मकता एवं सामाजिक एकता का संदेश देने के साथ-साथ जीवन बीमा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दीपक कुमार, वरिष्ठ मंडल प्रबंधक, मुजफ्फरपुर मंडल ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जीवन बीमा निगम देश के करोड़ों परिवारों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने वाली एक विश्वसनीय संस्था है। जीवन बीमा केवल आर्थिक सुरक्षा का माध्यम नहीं, बल्कि परिवार के भविष्य को सुरक्षित रखने का एक महत्वपूर्ण संकल्प है। उन्होंने कहा कि निगम के प्रत्येक अधिकारी एवं अभिकर्ता की जिम्मेदारी है कि वे अधिक से अधिक लोगों तक बीमा सुरक्षा का लाभ पहुंचाएं। विशिष्ट अतिथि संगम लाल, विपणन प्रबंधक, मुजफ्फरपुर ने कहा कि वर्तमान समय में जीवन बीमा की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। बदलते आर्थिक परिवेश में प्रत्येक परिवार को अपनी आय, भविष्य एवं परिजनों की सुरक्षा के लिए उपयुक्त बीमा योजना अपनानी चाहिए। उन्होंने निगम की विभिन्न योजनाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने तथा बेहतर ग्राहक सेवा प्रदान करने पर विशेष बल दिया। मोतिहारी शाखा के मुख्य प्रबंधक दिवाकर चौधरी ने कहा कि विकास अधिकारियों, अभिकर्ताओं एवं कर्मचारियों के सामूहिक प्रयास से ही निगम की सेवाओं और योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने सभी अभिकर्ताओं से पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करते हुए अधिक से अधिक परिवारों को बीमा सुरक्षा से जोड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर विकास अधिकारी अनिल वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि दीपोत्सव हमें अंधकार से प्रकाश, निराशा से आशा और असुरक्षा से सुरक्षा की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है। इसी भावना के अनुरूप एलआईसी भी लोगों के जीवन में आर्थिक सुरक्षा का दीप प्रज्वलित करने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परिवार का भविष्य सुरक्षित और समृद्ध हो, यही इस दीपोत्सव का मूल संदेश है। कार्यक्रम के दौरान बीमाधारकों के सुख, शांति एवं समृद्धि की मंगलकामना करते हुए अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अभिकर्ताओं ने दीप प्रज्वलित किए। पूरा परिसर दीपों की रोशनी से जगमगा उठा और उत्सवी माहौल में सभी ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में मोहन कुमार मिश्रा, प्राचार्य, प्रशिक्षण केंद्र मुजफ्फरपुर; कुमार वंशमणि, प्रबंधक (विक्रय), मुजफ्फरपुर; अनवार आलम, प्रबंधक (प्रशासन); पुष्कर शाकंभरी एवं सुनील कुमार, सहायक प्रबंधक; श्वेता कुमारी, सहायक प्रशासनिक अधिकारी सहित सभी विकास अधिकारी एवं बड़ी संख्या में अभिकर्ता उपस्थित रहे। उक्त जानकारी विकास अधिकारी अनिल वर्मा के सहायक सत्यम बाबू ने दी है।

संक्षिप्त समाचार

रामगढ़वा पीएचसी की चहारदीवारी का मंत्री श्रवण कुमार ने किया शिलान्यास



बीएनएम @ रामगढ़वा। पीएचसी में जी राम जी योजना के तहत चहारदीवारी निर्माण का शिलान्यास शुक्रवार को ग्रामीण विकास मंत्री सह पूर्वी चंपारण प्रभारी मंत्री श्रवण कुमार ने किया। इसका निर्माण मनरेगा से उप प्रमुख अरविंद पांडे द्वारा कराया जा रहा है। शिलान्यास कार्यक्रम में निर्माणाधीन दीवार एवं पेवर ब्लॉक का शिलान्यास प्रभारी मंत्री श्रवण कुमार, सांसद डॉ. संजय जायसवाल और विधायक बबलू गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर प्रखंड प्रमुख रीता देवी, उप प्रमुख अरविंद पांडे, रक्सौल एसडीएम नागमणि वर्मा, एसडीपीओ मनीष आनंद, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. एनडी सिंह, डॉ. प्रहस्त कुमार, बीडीओ राकेश कुमार सिंह, सीओ अमित कुमार, बीपीआरओ इंद्रजीत कुमार, मनरेगा पीओ अविनाश कुमार, बीपीएम सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। सांसद प्रतिनिधि पुष्पेंद्र तिवारी, जदयू प्रखंड अध्यक्ष बबलू साह, प्रदेश नेता दिनेश चंद्र प्रसाद यादव, भाजपा नेता सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि केंद्र में पीएम मोदी और बिहार में सीएम नीतीश कुमार व डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के नेतृत्व में विकास तेज गति से हो रहा है। विकास की गति थमनी नहीं चाहिए। इस दौरान पूर्ण समिति सदस्य राम बहादुर पांडे ने सत पिपरा भूमिहार टोला जाने वाली सड़क के क्षतिग्रस्त पुल निर्माण को लेकर ज्ञापन सौंपा। कार्यक्रम के अंत में उप प्रमुख अरविंद पांडे ने सभी अतिथियों को शॉल और बुके देकर सम्मानित किया।

तालाब में डूबने से चार वर्षीय बच्ची की मौत, परिवार में मचा कोहराम

बीएनएम @ पहाड़पुर। थाना क्षेत्र की कमाल पिपरा पंचायत के गदियानी गांव में गुरुवार को तालाब में डूबने से चार वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। मृत बच्ची की पहचान वार्ड संख्या पांच निवासी अरविंद पाल की पुत्री अन्वी कुमारी के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, अन्वी घर के पास स्थित पोखर के समीप कुछ बच्चों के साथ खेल रही थी। इसी दौरान खेलते-खेलते वह पोखर में गिर गई। गहरे पानी में चले जाने के कारण वह डूब गई। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों और परिजनों में अफरातफरी मच गई। परिजन आनन-फानन में बच्ची को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहाड़पुर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पहाड़पुर पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई की। थानाध्यक्ष देवेंद्र कुमार ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद शुक्रवार को परिजनों को सौंप दिया। चार वर्षीय मासूम की अचानक हुई मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। वहीं गांव में भी मातमी सन्नाटा पसरा है।

बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में जीवंत हुई छठ महापर्व की परंपरा

बीएनएम @ सिकटा। छठ महापर्व के पावन अवसर पर सिकटा प्रखंड स्थित राजकीय मध्य विद्यालय धांगड़ टोली में छात्र-छात्राओं द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से छठ महापर्व की परंपरा, लोक आस्था, धार्मिक महत्व और सांस्कृतिक विरासत को खूबसूरती से प्रदर्शित किया। बच्चों की प्रस्तुतियों ने छठ पर्व के प्रति श्रद्धा और उत्साह का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय का माहौल भक्तिमय एवं उत्सवपूर्ण बना रहा। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक सिद्धार्थ कश्यप, अजीत कुमार, जयप्रकाश बैठा, शोभा कुमारी एवं मंजू कुमारी सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। शिक्षकों ने बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की सराहना की।

पिकअप से 1296 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद, उत्तर प्रदेश का तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। डुमरियाघाट थाना क्षेत्र में शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 1296 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की है। इस दौरान पुलिस ने एक तस्कर को गिरफ्तार करने के साथ शराब ढोने में इस्तेमाल की जा रही पिकअप को भी जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को गुप्त सूचना के आधार पर दुमरियाघाट पुलिस ने खजुरिया ओवरब्रिज के पास वाहन जांच अभियान चलाया। इसी दौरान एक पिकअप की तलाशी लेने पर उसमें छिपाकर रखे गए ऑफिसर चॉइस ब्रांड के 150 कार्टन अंग्रेजी शराब बरामद हुए। जब्त शराब की कुल मात्रा 1296 लीटर बताई गई है। मौके से गिरफ्तार आरोपित की पहचान उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिले के पनियरा थाना क्षेत्र के गोनाहा गांव निवासी प्रमोद सिंह के रूप में हुई है। वह चंद्रभान सिंह का पुत्र बताया गया है। पुलिस ने शराब और पिकअप को जब्त कर लिया है। गिरफ्तार आरोपित के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

शराब कारोबारी से 28 हजार रुपये लेकर छोड़ने के आरोप में चौकीदार निलंबित

बीएनएम @ मोतिहारी। शराब कारोबारियों से कथित मिलीभगत और रुपये लेकर छोड़ने के मामले में पुलिस प्रशासन ने कार्रवाई की है। सोशल मीडिया पर वायरल ऑडियो के आधार पर कोटवा थाना में तैनात चौकीदार 1/4 रुपलाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। वहीं, मामले की विस्तृत जांच की जिम्मेदारी एसडीपीओ सदर-2 को सौंपी गई है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से 5 नवंबर को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सोशल मीडिया पर प्रसारित ऑडियो में कोटवा थाना के चौकीदार रुपलाल और एक शराब कारोबारी के बीच कथित बातचीत सामने आई है। इसमें शराब कारोबारी को पकड़ने के बाद उसके खिलाफ कांड दर्ज नहीं करने के एवज में 28 हजार रुपये लेकर छोड़ने से संबंधित बातचीत होने की बात कही जा रही है। प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि वायरल ऑडियो के प्रारंभिक अवलोकन में चौकीदार रुपलाल की संलिप्तता प्रथमदृष्टया प्रतीत हो रही है। पुलिस ने इसे विभागीय अनुशासन एवं नियमों के प्रतिकूल मानते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही एसडीपीओ सदर-2 को पूरे मामले की विस्तृत जांच कर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हड़ताल के बीच 11 सर्वे अमीनों को मिला हल्कों का प्रभार

बीएनएम @ बगहा। राजस्व कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल के कारण प्रभावित हो रहे राजस्व कार्यों को सुचारू बनाने के लिए जिला प्रशासन ने पहल की है। आम लोगों की परेशानियों को देखते हुए विभागीय निर्देश पर अंचल बगहा-एक के 11 विशेष सर्वेक्षण अमीनों को विभिन्न हल्कों का प्रभार सौंपा गया है। इस संबंध में गुरुवार को जिला स्तर से आधिकारिक आदेश जारी किया गया। जारी आदेश के अनुसार, विजय कुमार, अनुभव कुमार, श्याम नंदन, प्रीति कुमारी, मुस्कान कुमारी, श्रद्धा बर्नवाल, बबली रंजन, सुमन सोनाली, अन्ब्या कुमारी, लक्ष्मी कुमारी एवं उर्मिला कुमारी को अलग-अलग हल्कों की जिम्मेदारी दी गई है। प्रशासन का उद्देश्य हड़ताल के कारण राजस्व संबंधी कार्यों को पूरी तरह ठप होने से बचाना और आम नागरिकों को सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराना है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि अंचलाधिकारी की देखरेख में संबंधित हल्कों के राजस्व अभिलेखों की विधिवत सूची तैयार कर प्रभार प्राप्त करने वाले अमीनों को उपलब्ध कराई जाएगी।

आधुनिकता की चकाचौंध में दम तोड़ती मिट्टी की सोंधी विरासत

बीएनएम @ मृत्युंजय पाण्डेय

पर्यावरण संरक्षण और जनस्वास्थ्य की सुरक्षा में अहम भूमिका निभा सकते हैं मिट्टी के उत्पाद

सुगौली। आधुनिकता की चकाचौंध और बदलती जीवनशैली के बीच मिट्टी के दीये, बर्तन और मनमोहक कलाकृतियां बनाने की सदियों पुरानी परंपरा धीरे-धीरे विलुप्त होने के कगार पर पहुंचती जा रही है। कभी अपनी कला और हुनर के दम पर परिवार का भरण-पोषण करने वाला प्रजापति (कुम्हार) समाज आज आर्थिक तंगी और उपेक्षा के दौर से गुजर रहा है। मिट्टी के कुल्हड़, कड़ाही, घड़े, दीये और आकर्षक कलाकृतियां बनाकर अपनी आजीविका चलाने वाले इस समाज की आर्थिक स्थिति लगातार कमजोर होती जा रही है। इसका सीधा असर उनके परिवारों और बच्चों के जीवन स्तर पर भी पड़ रहा है। दीपावली, छठ और सामा-चकेवा जैसे पर्व-त्योहारों पर मिट्टी के दीये, हाथी, ढकना, कलश, घड़े और कड़ाही बनाने से लेकर शादी-विवाह एवं अन्य सामाजिक आयोजनों के लिए पानी के गिलास, भगोने और विभिन्न उपयोगी वस्तुएं तैयार करने वाला यह समाज आज अपने पुश्तैनी कारोबार को बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है। सवाल यह है कि आखिर इनके दिन कब बहुरेंगे? इनकी मेहनत और हुनर को उचित सम्मान तथा बाजार कब मिलेगा? यह समाज और सरकार, दोनों के सामने एक गंभीर सवाल है। बीएनएम प्रतिनिधि ने प्रजापति कुम्हार समाज के गांवों में पहुंचकर मिट्टी के बर्तन और कलाकृतियां बनाने वाले कारीगरों की जिंदगी, उनके पारंपरिक व्यवसाय और आर्थिक-सामाजिक परिस्थितियों का जायजा लिया। इस दौरान कई चौंकाने वाली हकीकत सामने आई। आर्थिक तंगी और तमाम मुश्किलों के बावजूद अपने पूर्वजों की विरासत को बचाए रखने का मोह इन कारीगरों की बातचीत और आंखों में साफ झलकता है। वे अपनी कला और परंपरा को छोड़ना नहीं चाहते, लेकिन बदलते दौर की आर्थिक चुनौतियां उनके सामने बड़ी बाधा बनकर खड़ी हैं। मिट्टी की कलाकृतियों को अपने अथक परिश्रम और हुनर से आकर्षक रूप देने वाले मुन्ना पंडित, राजकुमार पंडित, जोखू पंडित, राजेश्वर पंडित सहित अन्य कारीगरों ने बताया कि समय के साथ यह व्यवसाय भी महंगाई की भारी



मार झेल रहा है। मिट्टी के बर्तन और कलाकृतियां तैयार करने में काफी मेहनत, धैर्य और समय लगता है। मिट्टी लाने से लेकर उसे साफ करने, गूंथने, चाक पर आकार देने, सुखाने, आग में पकाने और फिर रंगों से सजाकर आकर्षक बनाने तक की पूरी प्रक्रिया बेहद श्रमसाध्य है। कारीगरों के मुताबिक, जिस चिकनी मिट्टी का ट्रेलर पहले पांच से सात सौ रुपये में मिल जाता था, उसकी कीमत अब बढ़कर पांच से छह हजार रुपये तक पहुंच गई है। किसी तरह पैसे जुटाकर मिट्टी खरीद भी ली जाए तो उसमें से पत्थर और कंकड़ चुनना, पानी डालकर उसे मुलायम बनाना तथा अच्छी तरह गूंथना अपने आप में काफी मेहनत का काम है। इसके बाद चाक पर मिट्टी को मनचाहा आकार देना और हाथों से बारीक कलाकारी करना पड़ता है। तैयार वस्तुओं को सुरक्षित सुखाने, भट्ठी में पकाने और रंगों से सजाने के बाद जब कारीगर उन्हें बाजार में बेचने पहुंचते हैं तो कई बार लागत निकालना भी मुश्किल हो जाता है। उनका कहना है कि बाजार में एक मिट्टी का दीया महज एक रुपये, ढकना पांच रुपये और कलश दस रुपये में बेचने पर भी उचित मुनाफा नहीं मिल पाता। ऐसे में परिवार का भरण-पोषण, बच्चों की पढ़ाई और रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना कठिन होता जा रहा है। प्रजापति समाज के लो गों का मानना है कि एक ओर सरकार प्लास्टिक और थर्मोकोल के उपयोग पर प्रतिबंध लगाकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ा रही है, वहीं दूसरी ओर मिट्टी के उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए अपेक्षित प्रयास नहीं हो पा रहे हैं। ऐसे समय में मिट्टी के बर्तनों और अन्य उत्पादों को प्रोत्साहित करना पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सार्थक पहल साबित हो सकता है। कारीगरों का कहना है कि यदि सरकार उन्हें मिट्टी के उत्पाद तैयार करने में उपयोगी मशीनें सस्ती दरों पर उपलब्ध कराए और कम ब्याज पर लंबी अवधि के लिए पूंजी की व्यवस्था करे, तो इस पारंपरिक व्यवसाय को नई जिंदगी मिल सकती है। इसके साथ ही सामाजिक स्तर पर जागरूकता और सरकारी प्रोत्साहन मिले तो पर्व-त्योहारों के अलावा दैनिक उपयोग की भी अनेक आकर्षक और उपयोगी वस्तुएं तैयार की जा सकती हैं। इससे न केवल कुम्हार समाज की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक स्वास्थ्य की सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण योगदान मिल सकेगा। वहीं, आम लोगों का मानना है कि मिट्टी के उत्पादों की उपयोगिता और महत्ता से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों की जीवनशैली तेजी से सुविधाभोगी होती जा रही है। अधिक लागत के बावजूद लोग ऐसी वस्तुओं को प्राथमिकता दे रहे हैं, जो टिकाऊ हों, कम देखभाल मांगें और इस्तेमाल में सुविधाजनक हों। यही बदलती उपभोक्ता मानसिकता मिट्टी के पारंपरिक उत्पादों के कारोबार के सामने बड़ी चुनौती बन गई है। जरूरत है कि मिट्टी की इस सोंधी विरासत को केवल पर्व-त्योहारों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए समाज, बाजार और सरकार मिलकर पहल करें। ऐसा हुआ तो मिट्टी के दीये और बर्तन बनाने वाले कारीगरों के घरों में भी खुशहाली का उजाला लौट सकता है।

चंपापुर में नवनिर्मित छठ घाट का ई. गप्पू राय ने किया उद्घाटन

बीएनएम @ रामगढ़वा



प्रखंड क्षेत्र की चंपापुर पंचायत में विकास कार्यों की कड़ी में एक और उपलब्धि जुड़ गई है। सोलहवीं वित्त आयोग की राशि से चंपापुर बाजार स्थित मठ के पोखरे पर नवनिर्मित छठ घाट का उद्घाटन समारोहपूर्वक किया गया। जिला परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि ई. गप्पू राय उर्फ शशिभूषण राय ने फीता काटकर विधिवत रूप से छठ घाट का उद्घाटन किया और इसे आम जनता को समर्पित किया। इस अवसर पर जिला पार्षद नसीमा खातून एवं जिला पार्षद प्रतिनिधि कमरुद्दीन मंसूरी भी उपस्थित रहे। उनके प्रयासों से इस धार्मिक एवं जनोपयोगी योजना को धरातल पर उतारा गया। मौके पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने कहा कि छठ घाट के निर्माण से क्षेत्र के व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को काफी सुविधा मिलेगी। विशेषकर लोक आस्था के महापर्व छठ के दौरान महिलाओं और अन्य श्रद्धालुओं को भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने में सहूलियत होगी। पक्के घाट के निर्माण से पूजा-अर्चना के दौरान होने वाली परेशानियों से भी निजात मिलेगी। उद्घाटन समारोह में रामबाबू यादव, अशोक कुमार, मुश्ताक मंसूरी, बबलू कुशवाहा एवं मुमताज आलम सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण, युवा और पंचायत के गणमान्य लोग मौजूद रहे। उपस्थित लोगों ने इस जनहितकारी कार्य के लिए जिला प्रशासन एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

छठ गीतों पर झूमे बच्चे, रंगोली में दिखी लोक संस्कृति की झलक

बीएनएम @ मोतिहारी

अरेराज-मोतिहारी रोड स्थित लक्ष्मीपुर के जेनिथ इंटरनेशनल स्कूल में गुरुवार को छठ उत्सव सह रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने रंग-बिरंगी रंगोलियों के माध्यम से अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं छठ गीतों पर प्रस्तुत भाव-नृत्य ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय के प्राचार्य अंजनी अशेष ने किया। उन्होंने कहा कि छठ सूर्य उपासना का महापर्व होने के साथ प्रकृति से जुड़ाव और उसके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का पर्व है। इसमें उदीयमान सूर्य के साथ अस्ताचलगामी सूर्य की भी आराधना की जाती है। चार दिवसीय इस अनुष्ठान की शुरुआत नहाय-खाय से होती है। उन्होंने कहा कि दीपावली भी अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है। उत्सव के दौरान बच्चों ने विभिन्न छठ गीतों पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किए। खासकर 'पहिले-पहिले हम कइनी छठी मैया बरत तोहार...' गीत पर बच्चों की प्रस्तुति ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। वहीं राम, लक्ष्मण, सीता और हनुमान के रूप में सजे बच्चों ने अपनी प्रस्तुति से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। मौके पर विक्रम कुमार, रोशन त्रिपाठी, नवीन



श्रीवास्तव, प्रीति कुमारी, रितिका दुबे, प्रियंका कुमारी, रिंकी कुमारी, प्रतिमा कुमारी, सना खातून और प्रियम कुमारी सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

छठ के मंचन से विद्यार्थियों ने जगाई संस्कृति संरक्षण की अलख

बीएनएम @ संजय दास थारू

बीरगंज/नेपाल। अपनी मौलिक संस्कृति, परंपरा और रीति-रिवाजों को जीवंत बनाए रखने के लिए नई पीढ़ी ने अनूठी पहल की है। पर्सा जिले के पटेर्वा सुगौली गाउँपालिका-4 स्थित दक्षिण सुगौली के नेपाल राष्ट्रीय माध्यमिक विद्यालय (श्री ने.रा.मा.वि.) के विद्यार्थियों ने छठ महापर्व पर आधारित नाटक का मंचन कर सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का संदेश दिया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपने अभिनय के माध्यम से छठ महापर्व के धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। नाटक में छठ व्रत की पारंपरिक विधि, पूजा-पद्धति, व्रतियों की अटूट आस्था, अस्ताचलगामी एवं उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा और छठी मैया की उपासना को जीवंत रूप में दर्शाया गया। विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से विशेष रूप से तराई-मधेश की सांस्कृतिक पहचान से जुड़े छठ पर्व की महत्ता को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास किया। नाटक में यह संदेश दिया गया कि छठ केवल धार्मिक अनुष्ठान या पूजा-पाठ तक सीमित पर्व नहीं है, बल्कि यह पारिवारिक एकता, सामाजिक सद्भाव, आपसी प्रेम और भाईचारे का भी प्रतीक है।



आधुनिकता के दौर में संस्कृति बचाने की पहल–आज आधुनिकता, तकनीक के बढ़ते प्रभाव और बदलती जीवनशैली के कारण नई पीढ़ी अपनी पारंपरिक संस्कृति, भाषा, रीति-रिवाजों और लोक परंपराओं से धीरे-धीरे दूर होती जा रही है। ऐसे समय में विद्यालय के विद्यार्थियों की यह पहल सांस्कृतिक विरासत को बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण और सराहनीय कदम है। शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों को अपने समाज, संस्कृति, भाषा और परंपराओं से परिचित कराना भी इसका महत्वपूर्ण उद्देश्य है। नाटक जैसी रचनात्मक गतिविधियों से बच्चों में अभिनय क्षमता, रचनात्मक सोच, आत्मविश्वास, सामाजिक जागरूकता और सामूहिक रूप से कार्य करने की भावना विकसित होती है।

सांस्कृतिक विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का संदेश–विद्यार्थियों की इस प्रस्तुति ने यह संदेश दिया कि हमारी संस्कृति और परंपराएं ही हमारी पहचान हैं। इन्हें संरक्षित रखना किसी एक व्यक्ति या संस्था का नहीं, बल्कि पूरे समाज का साझा दायित्व है। विद्यालयों की भूमिका इस दिशा में बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि शिक्षा के माध्यम से ही नई पीढ़ी को अपनी जड़ों, सांस्कृतिक मूल्यों और सामाजिक विरासत से जोड़ा जा सकता है। दक्षिण सुगौली के श्री नेपाल राष्ट्रीय माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की यह रचनात्मक पहल इस बात का उदाहरण है कि यदि बच्चों को उचित अवसर और मंच मिले, तो वे अपनी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। संस्कृति बचेगी, तभी हमारी पहचान और परंपराएं आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचेंगी।

हरसिद्धि पुलिस ने अपहरण मामले में मुख्य आरोपित समेत दो को किया गिरफ्तार, नाबालिग लड़की बरामद

बीएनएम @ हरसिद्धि



थाना क्षेत्र में पुलिस ने अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए अपहरण और पॉक्सो एक्ट के दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान अपहरण के एक मामले में पुलिस ने नाबालिग लड़की को भी बरामद किया है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि हरसिद्धि थाना कांड संख्या 539/26, दिनांक 3 नवंबर 2026 के मामले में प्राथमिक अभियुक्त संजय कुमार (20), पिता हीरालाल प्रसाद, निवासी पानापुर कान्ही टोला, वार्ड नंबर तीन को गिरफ्तार किया गया है। इसी मामले में अपहृत नाबालिग लड़की को भी बरामद कर लिया गया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। वहीं, दूसरी कार्रवाई में हरसिद्धि थाना कांड संख्या 52/26, दिनांक 22 जनवरी 2026 के वांछित अभियुक्त रामु कुमार (22), पिता झापस राम, निवासी बिशुनपुरा को गिरफ्तार किया गया है। उसके विरुद्ध बीएनएस की धारा 137(2), 96, 3(5) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 8/12 के तहत मामला दर्ज है। थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों गिरफ्तार आरोपितों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

धनतेरस पर बाजार में उमड़ी भीड़, देर रात तक रही रौनक

बीएनएम @ सिकटा

धनतेरस के पावन पर्व पर सिकटा बाजार में खरीदारी को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही बाजार में खरीदारों की भीड़ उमड़नी शुरू हो गई, जो देर शाम तक जारी रही। पर्व को लेकर पूरे बाजार में रौनक छाई रही और दुकानों पर दिनभर ग्राहकों की चहल-पहल बनी रही। धनतेरस के अवसर पर बर्तन, सोने-चांदी के आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक सामान, दीपक एवं पूजा सामग्री की दुकानों पर खरीदारों की अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिली। खासकर बर्तनों और आभूषणों की दुकानों पर लोगों ने अपनी पसंद और सामर्थ्य के अनुसार जमकर खरीदारी की। बाजार में महिला, पुरुष और बच्चों की भीड़ से पूरा इलाका उत्सवी माहौल में सराबोर नजर आया। वहीं, ग्राहकों की अच्छी आमद से स्थानीय दुकानदारों के चेहरे भी खिले रहे। दुकानदारों को बेहतर कारोबार होने की उम्मीद जगी। बाजार में उमड़ी भीड़ ने पर्व की खुशियों और उत्साह को और भी बढ़ा दिया। गौरतलब है कि धनतेरस के दिन नई वस्तुओं की खरीदारी करना शुभ माना जाता है। इसी धार्मिक मान्यता और परंपरा के तहत लोगों ने अपनी क्षमता के अनुसार विभिन्न वस्तुओं की खरीदारी की। कुल मिलाकर धनतेरस के मौके पर सिकटा बाजार देर शाम तक खरीदारों से गुलजार रहा और चारों ओर उत्सव एवं उल्लास का माहौल देखने को मिला।

दीपावली पर रंगों से सजा उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय मुरला का प्रांगण

बीएनएम @ रामगढ़वा

प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय मुरला में दीपावली के शुभ अवसर पर कला एवं संस्कृति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आकर्षक रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय की छात्राओं ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा और कलात्मक कौशल का शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय परिसर में एक से बढ़कर एक मनमोहक रंगोलियां उकेरीं। रंग-बिरंगे रंगों से सजी इन आकर्षक कलाकृतियों ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के प्रधानाध्यापक मोहम्मद सद्दाम के मार्गदर्शन एवं देखरेख में किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं तथा कर्मी उपस्थित रहे। इनमें शिक्षक राजकुमार, श्याम कुमार, राकेश कुमार, रोशन



कुमार, कुमारी ज्योति, पन्नालाल कुमार, मदन कुमार एवं इशरत फातिमा की विशेष सहभागिता रही। सभी शिक्षकों ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें अपनी प्रतिभा को निखारने और रचनात्मक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं एवं अन्य कर्मियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने रंगोली बनाने वाली छात्राओं का हौसला बढ़ाया और आयोजन को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक मोहम्मद सद्दाम ने कहा कि इस तरह की रचनात्मक गतिविधियों से बच्चों की छिपी हुई प्रतिभा को सामने आने का अवसर मिलता है। साथ ही उनमें कलात्मक अभिरुचि, आत्मविश्वास, रचनात्मक सोच और आपसी सहयोग की भावना विकसित होती है। विद्यालय में आयोजित इस रंगोली प्रतियोगिता ने दीपावली के उत्सवी माहौल को और भी खुशनुमा बना दिया। इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

लाचारी जैसी स्थिति

इस सदी में भारतीय मध्य वर्ग के विस्तार और उसे सहारा दिए रहने का प्रमुख स्रोत टेक सेक्टर रहा है। वहां अवसर सिकुड़ने और उस स्रोत से आमदनी में गिरावट का सीधा असर उपभोक्ता बाजार पर पड़ेगा। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए यह खबर चिंताजनक है कि इस वर्ष सूचना तकनीक क्षेत्र में कर्मचारियों की वेतन वृद्धि (अप्रेजल) निराशाजनक रही है। टेक पेशेवरकर्मियों के ऐप ब्लाइंड के सर्वे से सामने आया है कि 35 प्रतिशत कर्मचारियों को या तो कोई वेतन वृद्धि नहीं मिली, या वेतन कटौती का सामना करना पड़ा। इसमें 30 प्रतिशत के वेतन में शून्य बढ़ोतरी हुई, जबकि पांच प्रतिशत की सैलरी घटी। यह सर्वे 2,178 टेक प्रोफेशनल्स को शामिल करते हुए किया गया। इससे सामने आई स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि एक से पांच प्रतिशत की मामूली वृद्धि को जोड़ लें, तो कुल 59 प्रतिशत कर्मचारियों की वेतन वृद्धि पांच प्रतिशत या उससे कम रही। 2025 में ऐसे कर्मचारियों की संख्या सिर्फ 34 प्रतिशत थी। जानकारों के मुताबिक इसका कारण कर्मचारियों का खराब प्रदर्शन नहीं है। बल्कि सर्वे के दौरान 41 प्रतिशत लोगों ने कंपनी की खराब वित्तीय हालत या लागत में कटौती को कारण बताया, जबकि 18 प्रतिशत ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और ऑटोमेशन को जिम्मेदार माना। एआई की लागत सबसे बड़ा फैक्टर बनकर उभरी है। कई कंपनियों ने बढ़ते एआई और सर्वर खर्च के कारण कर्मचारियों की वेतन वृद्धि को फ्रीज कर दिया है। इस घटनाक्रम का असर बेशक कर्मचारियों की संतुष्टि पर पड़ रहा है। ये बात ब्लाइंड सर्वे से भी सामने आई है। इसका असर आने वाले समय में उनके प्रदर्शन पर पड़ सकता है, जिसका एक नतीजा उनकी नौकरी का खतरे में पड़ना होगा। दरअसल, सर्वे के दौरान बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने कहा कि उन्हें अब वेतन वृद्धि से ज्यादा छंटनी का डर सता रहा है। लेकिन बात सिर्फ उन कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहेगी। इस सदी में भारतीय मध्य वर्ग के निर्माण, विस्तार और उसे सहारा दिए रहने का प्रमुख स्रोत टेक सेक्टर रहा है। वहां अवसर सिकुड़ने और इस स्रोत से होने वाली आमदनी में गिरावट का सीधा असर उपभोक्ता बाजार पर पड़ेगा, जिससे पूरी भारतीय अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी। इस आशंका को लेकर काफी समय से चेतावनी दी जाती रही है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि उसके बावजूद लाचारी जैसी स्थिति बनी हुई है।

पीएम-सेतुः भारत के आईटीआई में बदलाव का एक वर्ष

धनंजय

पीएम-सेतु का उद्देश्य हब-एंड-स्पोक मॉडल और उद्योग-अनुरूप प्रशिक्षण के माध्यम से 1,000 सरकारी आईटीआई का अत्याधुनिकरण करना है। इस योजना के तहत राष्ट्रीय उत्कृष्टता केन्द्रों के माध्यम से पांच राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसटीआई) की क्षमता बढ़ाने का भी प्रावधान है। रणनीतिक निवेश योजनाओं, विशेष प्रयोजन वाहनों (एसपीवी) और एंकर इंडस्ट्री पार्टनर्स के माध्यम से उद्योग की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। इस योजना में उभरती प्रौद्योगिकियों और व्यवसायों से संबंधित नए दौर के पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। चयनित एनएसटीआई में उन्नत कौशल प्रशिक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय साझेदारियां भी सहयोग प्रदान कर रही हैं। राज्य स्तरीय संचालन समितियों और उद्योग की भागीदारी के माध्यम से राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों में इसके कार्यान्वयन का भी विस्तार किया गया है। एक वर्ष की प्रगति के तहत 850 आईटीआई की पहचान और 14 आईटीआई क्लस्टरों को मंजूरी शामिल है। प्रस्तावित कौशल प्रयोगशालाएं छात्रों को व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव के अवसरों को और बढ़ाएंगी।

कुशल कार्यबल के लिए आईटीआई में बदलावः भारत के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) देश के व्यावसायिक प्रशिक्षण तंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये युवाओं को रोजगार और उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यावहारिक कौशल प्रदान करते हैं। जैसे-जैसे कार्यबल की आवश्यकताएं बदल रही हैं, वैसे-वैसे व्यावसायिक प्रशिक्षण की गुणवत्ता, प्रासंगिकता और उद्योगोन्मुखी स्वरूप को मजबूत करना अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। इसी पृष्ठभूमि में, पीएम-सेतु (प्रधानमंत्री स्किलिंग एंड एम्प्लॉयबिलिटी ट्रांसफॉर्मेशन थ्रू अपग्रेडेड आईटीआई) को 4 अक्टूबर 2025 को शुरू किया गया। यह योजना सरकारी आईटीआई को आधुनिक और उद्योग-अनुरूप प्रशिक्षण संस्थानों में परिवर्तित करके व्यावसायिक प्रशिक्षण की समग्र गुणवत्ता और प्रासंगिकता को बढ़ाती है। इस पहल का उद्देश्य उद्योग-नेतृत्व वाले शासन को मजबूत करना, प्रशिक्षण अवसंरचना का उन्नयन करना और कार्यबल की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप मांग-आधारित पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देना है। योजना का कुल परिव्यय ?60,000 करोड़ है, जिसमें केन्द्र सरकार की ओर से 30,000 करोड़ रुपये, राज्यों की ओर से 20,000 करोड़ रुपये और उद्योग की ओर से 10,000 करोड़ रुपये शामिल हैं। यह योजना 4 अक्टूबर 2026 को एक वर्ष पूरा कर रही है।

आईटीआईः कुशल कार्यबल की नींव तैयार करनाः आईटीआई युवाओं को रोजगार और उद्योग के लिए व्यावहारिक कौशल से लैस करने हेतु व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) के तहत सरकारी और निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से इंजीनियरिंग और गैर-इंजीनियरिंग ट्रेडों में प्रशिक्षण दिया जाता है। ट्रेड के आधार पर पाठ्यक्रम की अवधि छह महीने से दो वर्ष तक होती है। प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी), कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) राष्ट्रीय स्तर पर व्यावसायिक प्रशिक्षण के विकास और समन्वय के लिए जिम्मेदार शीर्ष संगठन है। इसके कार्यों में नीतियों, मानदंडों और मानकों का निर्धारण, पाठ्यक्रम विकास, संबद्धता, अनुदेशक प्रशिक्षण और ट्रेड परीक्षण शामिल हैं। आईटीआई राज्य सरकारों और केन्द्र शासित प्रदेशों के प्रशासनों के प्रशासनिक और वित्तीय नियंत्रण के अधीन हैं। देश में सरकारी और निजी आईटीआई सहित आईटीआई की कुल संख्या 2014 में 9,776 से बढ़कर 2026 में 13,888 हो गई है, जो 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। इसके अलावा, देशभर के आईटीआई में नामांकन शैक्षणिक सत्र 2014–15 में 9.51 लाख से बढ़कर शैक्षणिक सत्र 2025–26 में 14.70 लाख हो गया है, जो 54 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

विस्तारित होता यह नेटवर्क व्यावसायिक प्रशिक्षण को मजबूत करने और विभिन्न क्षेत्रों में कौशल की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप इसे ढालने के लिए एक व्यापक संस्थागत आधार प्रदान करता है। पीएम-सेतु किस प्रकार आईटीआई में बदलाव ला रहा है पीएम-सेतु बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण, उद्योग की भागीदारी और नए दौर के प्रशिक्षण को एक साथ लाकर व्यावसायिक शिक्षा की गुणवत्ता को मजबूत करता है। यह परिवर्तन दो अलग-अलग घटकों पर आधारित है, जिसमें पहला घटक सरकारी आईटीआई पर और दूसरा राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसटीआई) पर केन्द्रित है। घटक-1 में 1,000 सरकारी आईटीआई शामिल हैं, जिनमें 200 हब आईटीआई और 800 स्पोक आईटीआई हैं। इन संस्थानों का आधुनिक बुनियादी ढांचे और उद्योग-अनुरूप प्रशिक्षण के साथ हब-एंड-स्पोक मॉडल के माध्यम से आधुनिकीकरण किया जा रहा है। प्रत्येक हब औसतन चार स्पोक से जुड़ा है, जिससे उन्नत बुनियादी ढांचे, आधुनिक ट्रेडों, डिजिटल शिक्षण प्रणालियों और इनक्यूबेशन सुविधाओं तक साझा पहुंच संभव हो रही है। हब में नवाचार केन्द्र, प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए बुनियादी ढांचा, उत्पादन इकाइयां और प्लेसमेंट सेवाओं जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। स्पोक प्रशिक्षण तक पहुंच का विस्तार करते हैं और शिक्षार्थियों को अपने-अपने क्लस्टरों में उपलब्ध संसाधनों से जोड़ते हैं। यह मॉडल स्मार्ट कक्षाओं, आधुनिक प्रयोगशालाओं, डिजिटल सामग्री और उद्योग-अनुरूप पाठ्यक्रमों के माध्यम से आईटीआई के उन्नयन में सहायता कर रहा है। घटक-2 भुवनेश्वर, चेन्नई, हैदराबाद, कानपुर और लुधियाना में स्थित 5 राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसटीआई) की क्षमता बढ़ाने पर केन्द्रित है। इसमें क्षेत्र-विशिष्ट राष्ट्रीय उत्कृष्टता केन्द्रों की स्थापना और वैश्विक साझेदारियों के माध्यम से प्रशिक्षकों का उन्नत प्रशिक्षण शामिल है। संबंधित राज्य और केन्द्र शासित प्रदेश उद्योग के परामर्श से पीएम-सेतु के तहत आईटीआई के चयन का नेतृत्व करते हैं। वे उद्योग साझेदारों के सहयोग से आईटीआई के उन्नयन के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करते हैं। इस प्रक्रिया में उभरती कौशल आवश्यकताओं और संबंधित क्षेत्रों की औद्योगिक क्षमता को ध्यान में रखा जाता है। राष्ट्रीय स्तर पर, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) ने सचिव, एमएसडीई की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय संचालन समिति (एनएससी) का गठन किया है, जो योजना के लिए समग्र दिशा-निर्देश प्रदान करती है। एनएससी व्यापक नीतिगत दिशा तय करने, परिचालन संबंधी दिशा-निर्देशों को अंतिम रूप देने, कार्यान्वयन की निगरानी करने और आवश्यकता पडने पर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने में सहयोग करती है। चयन प्रक्रिया में उद्योग की भागीदारी को भी शामिल किया गया है, जिसके तहत संभावित साझेदारों को रणनीतिक निवेश योजना (एसआईपी) प्रस्तुत करना आवश्यक है।

एसपीवी के माध्यम से उद्योग-नेतृत्व वाला शासनः पीएम-सेतु उन्नत आईटीआई क्लस्टरों के लिए विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) के माध्यम से उद्योग-नेतृत्व वाले शासन का प्रावधान करता है। प्रस्तावित संरचना के तहत एंकर इंडस्ट्री पार्टनर को 51 प्रतिशत स्वामित्व दिया गया है, जबकि केन्द्र और राज्य सरकारों की हिस्सेदारी 24.5 प्रतिशत है। एसपीवी क्लस्टर के विकास और संचालन का नेतृत्व करते हैं तथा स्थानीय उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप उपयुक्त हस्तक्षेपों का प्रस्ताव रखते हैं। इन हस्तक्षेपों में पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण प्रदान करने की व्यवस्था, बुनियादी ढांचा और उद्योग से परिचय जैसे क्षेत्र शामिल हो सकते हैं। योजना से कार्यान्वयन तकः पीएम-सेतु के पहले वर्ष के दौरान कार्यान्वयन ने संस्थागत तैयारियों और आईटीआई की पहचान से आगे बढ़कर आईटीआई क्लस्टरों और एसआईपी को मंजूरी देने तक प्रगति की है। कुल 850 आईटीआई की पहचान की गई है, जिनमें 172 हब आईटीआई और 678 स्पोक आईटीआई शामिल हैं। 36 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों ने क्लस्टरों की पहचान कर ली है और इसके लिए समर्पित राज्य बजट बनाए हैं। वहीं, 35 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों ने कार्यान्वयन के मार्गदर्शन और निगरानी के लिए अपनी राज्य संचालन समितियों का गठन किया है। 26 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों ने उद्योग की भागीदारी आमंत्रित करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। एनएससी ने पीएम-सेतु को इसके पायलट चरण से आगे बढ़ाकर पहचाने गए सभी 200 आईटीआई क्लस्टरों में राष्ट्रव्यापी स्तर पर लागू करने को भी मंजूरी दे दी है। इस विस्तार के तहत राज्य और केन्द्र शासित प्रदेश उद्योग की तैयारी और कार्यान्वयन क्षमता के आधार पर योजना को लागू कर सकेंगे। कौशल विकास के दायरे का विस्तारः कार्यबल की उभरती आवश्यकताओं के लिए नए दौर के पाठ्यक्रम बुनियादी ढांचे और संस्थागत सुधारों के पूरक के रूप में, पीएम-सेतु का ध्यान व्यावसायिक प्रशिक्षण को उभरती प्रौद्योगिकियों और व्यवसायों के प्रति अधिक उत्तरदायी बनाने पर भी है। प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) ने शिल्पकार प्रशिक्षण योजना के तहत 32 नए दौर के पाठ्यक्रम शुरू किए हैं, जिनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, इलेक्ट्रिक वाहन, सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी, रोबोटिक्स, हरित हाइड्रोजन, ड्रोन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), सौर ऊर्जा, 5जी और सॉफ्टवेयर परीक्षण जैसे क्षेत्र शामिल हैं। राज्य इन पाठ्यक्रमों को अपने आईटीआई में अपना सकते हैं, जो उनके प्रशासनिक और वित्तीय नियंत्रण के अधीन हैं। पीएम-सेतु के तहत कौशल विकास के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केन्द्रों की क्षमता को मजबूत करने और प्रशिक्षण को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों का भी प्रावधान किया गया है। एनएसटीआई चेन्नई के लिए सिंगापुर, एनएसटीआई कानपुर के लिए फ्रांस और एनएसटीआई भुवनेश्वर के लिए ऑस्ट्रेलिया के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। वहीं, एनएसटीआई हैदराबाद के लिए जर्मनी के साथ संयुक्त आशय घोषणा (ज्वाइंट डिक्लेरेशन ऑफ इंटेंट) का आदान-प्रदान किया गया है।

दंतेवाड़ा के सुदूर 'लावा' गाँव में पहली बार गूंजी टीवी की आवाज, क्रेडा और जिला प्रशासन की अनूठी पहल

धनंजय राठौर, आमना खान

छत्तीसगढ़ के दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा जिले के धुर नक्सल प्रभावित और दुर्गम इलाकों में विकास का पहिया अब तेजी से घूमने लगा है। इसी कड़ी में दंतेवाड़ा जिले के कुआकोंडा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले एक अत्यंत सुदूर और दुर्गम पहाड़ी गाँव 'लावा' में जिला प्रशासन के सहयोग से क्रेडा (क्रेडा) विभाग द्वारा 'कम्युनिटी सोलर टीवी' (सामुदायिक सौर टीवी) की स्थापना की गई है। महज 21 परिवारों की आबादी वाले इस छोटे से आदिवासी गाँव के लिए यह किसी ऐतिहासिक क्रांति से कम नहीं है, क्योंकि यहाँ के ग्रामीणों ने अपने जीवन में पहली बार गाँव के भीतर ही टेलीविजन स्क्रीन देखी है।

बस्तर के दूरदराज गाँवों तक विकास और खुशहाली पहुँचाना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस अभूतपूर्व पहल पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर के हमारे दूरदराज और अंतिम छोर पर बसे गाँवों तक विकास, शिक्षा, और आधुनिक तकनीक की रोशनी पहुँचाना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। दंतेवाड़ा के सुदूर लावा गाँव में सामुदायिक सोलर टीवी की स्थापना इस बात का प्रमाण है कि विकास अब नक्सलवाद के अंधेरे को पीछे छोड़कर हर आदिवासी भाई-बहन के जीवन तक पहुँच रहा है। जब इन सुदूर इलाकों के बच्चे और ग्रामीण पहली बार टीवी स्क्रीन पर देश-दुनिया की खबरें और ज्ञानवर्धक कार्यक्रम देखेंगे, तो उनके सपनों को एक नई उड़ान मिलेगी। हमारी सरकार बस्तर के समग्र विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियाँ और चुनौतियाँ : बैलाडीला की ऊँची पहाड़ियों के पीछे और घने जंगलों के बीच बसा लावा गाँव भौगोलिक रूप से बेहद अलग-थलग है। किरंदुल के मुख्य लौह-अयस्क खनन क्षेत्र से करीब 8 किलोमीटर दूर स्थित इस गाँव तक पहुँचने के लिए आज भी कोई पक्की सड़क नहीं है। यहाँ के ग्रामीणों को अपनी बुनियादी ज़रूरतों, जैसे राशन दुकान से चावल लाने के लिए आज भी पहाड़ी और पथरीले रास्तों से होकर मीलों पैदल सफर तय करना पड़ता है। लावा और इसके आसपास का पुरेंगल क्षेत्र दशकों तक घोर नक्सल प्रभावित इलाका रहा है। घने जंगलों और दुर्गम रास्तों का फायदा उठाकर नक्सलियों ने इस क्षेत्र को अपना गढ़ बना रखा था, जिसके कारण कई सालों तक यहाँ न तो कोई प्रशासनिक अधिकारी पहुँच पाता था और न ही कोई जनप्रतिनिधि। सुरक्षा कारणों से यह गाँव पूरी तरह से आधुनिक दुनिया से कटा हुआ था और यहाँ बुनियादी सुविधाओं का पहुँचना एक सपना बना हुआ था। सुरक्षा बलों के लगातार ऑपरेशन्स और मुस्तैदी के बाद अब इस क्षेत्र में नक्सलवाद का प्रभाव लगभग समाप्त हो चुका है। जहाँ कभी दहशत का माहौल था, वहाँ अब बदलाव की बयार बह रही है। हाल के दिनों में जिला कलेक्टर और क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने खुद इस गाँव का दौरा कर ग्रामीणों की चौपाल ली। सुरक्षा और विश्वास के इसी माहौल का नतीजा है कि आज प्रशासन सीधे ग्रामीणों के दरवाज़े तक विकास योजनाएँ पहुँचा रहा है।

कम्युनिटी सोलर टीवी से बदलेगी तस्वीरः चूँकि यह गाँव पारंपरिक बिजली ग्रिड से काफी दूर है, इसलिए जिला प्रशासन और क्रेडा (छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण) ने यहाँ सौर ऊर्जा का सहारा लिया। गाँव में लगाए गए इस कम्युनिटी सोलर टीवी के जरिए अब निम्नलिखित बदलाव देखने को मिलेंगेः आधुनिक दुनिया और सूचनाओं से जुड़ावः दुर्गम पहाड़ी गाँव 'लावा' में टीवी के माध्यम से अब गांव के लोग छत्तीसगढ़, भारत और पूरी दुनिया में हो रही गतिविधियों और खबरों से सीधे जुड़ सकेंगे। इससे ग्रामीणों को सरकार की नई योजनाओं, कृषि तकनीकों और स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रमों के बारे में आसानी से पता चल सकेगा।

बच्चों के लिए शिक्षाप्रद ज्ञानः गांव के बच्चों को अब टीवी के माध्यम से मनोरंजन के साथ पढ़ाई, ज्ञानवर्धक और शिक्षाप्रद कार्यक्रम देखने को मिलेंगे, जिससे उनकी समझ और सामान्य ज्ञान बढ़ेगा। सुदूर क्षेत्र में रहने वाले इन बच्चों के लिए स्क्रीन पर देखकर सीखना एक नया और प्रभावी अनुभव होगा। कम्युनिटी टीवी होने के कारण गांव के सभी 21 परिवार एक जगह इक_ा होकर कार्यक्रम देख सकेंगे। इससे ग्रामीणों के बीच आपसी जुड़ाव और बढ़ेगा। दिनभर खेती और वनोपज इक_ा करने की कड़ी मेहनत के बाद, शाम को मनोरंजन के साधन मिलने से ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार आएगा। चूंकि यह इलाका बेहद सुदूर और बिजली की पारंपरिक लाइनों से दूर है, इसलिए सोलर पैनल आधारित टीवी पूरी तरह से आत्मनिर्भर और पर्यावरण के अनुकूल है, जिससे बिना बिजली कटौती की चिंता अपना कामकाज कर सकते हैं।

दशकों के अंधेरे और नक्सली खौफ को पीछे छोड़कर लावा गाँव अब सौर ऊर्जा की रोशनी और सूचना तंत्र के जरिए एक नए युग में प्रवेश कर चुका है। जिला प्रशासन का यह प्रयास साबित करता है कि सरकार की नजरें बस्तर के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति पर भी हैं।

लेखक संयुक्त संचालक, सहायक संचालक, जनसंपर्क है।

सरदार पटेलः जिसकी दृढ़ता के आगे झुक गई सैंकड़ों रियासतें

योगेश कुमार गोयल

भारत के स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्र निर्माण के इतिहास में सरदार वल्लभभाई पटेल का नाम सदैव सम्मान के साथ लिया जाता है। वे ऐसे महान नेता थे, जिन्होंने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति, साहस, दूरदर्शिता और निर्णय लेने की क्षमता से देश की दिशा बदल दी। वे केवल स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, स्वतंत्रता के बाद बिखरी हुई रियासतों को एकजुट कर मजबूत भारत की नींव रखने वाले महान शिल्पकार भी थे। इसी योगदान के सम्मान में उनकी जयंती 31 अक्तूबर को देशभर में 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाई जाती है। सरदार पटेल का जन्म 31 अक्तूबर 1875 को गुजरात के नाडियाद में एक साधारण किसान परिवार में हुआ था। बचपन से ही वे साहसी, स्वाभिमानी और मेहनती थे। आर्थिक स्थिति सामान्य होने के बावजूद उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से शिक्षा प्राप्त की। कानून की पढ़ाई के लिए वे इंग्लैंड गए और वहां से बैरिस्टर बनकर लौटे। इसके बाद उन्होंने अहमदाबाद में वकालत शुरू की और शीघ्र ही एक सफल वकील के रूप में पहचान बना ली। लेकिन उनके मन में केवल व्यक्तिगत सफलता पाने की इच्छा नहीं थी। देश की गुलामी और आम लोगों की परेशानियां उन्हें भीतर तक प्रभावित करती थी। महात्मा गांधी के विचारों और स्वतंत्रता आंदोलन से प्रभावित होकर उन्होंने अपनी सफल वकालत छोड़ दी और देशसेवा में जुट गए। वर्ष 1918 में गुजरात के खेड़ा जिले में किसानों की फसल खराब हो गई थी। इसके बावजूद अंग्रेज सरकार उनसे लगान वसूलना चाहती थी। पटेल ने किसानों को संगठित किया और लगान माफी के लिए आंदोलन का नेतृत्व किया। उनके नेतृत्व में किसानों ने एकजुट होकर सरकार का विरोध किया। अंततः अंग्रेज सरकार को किसानों की मांगों पर विचार करना पड़ा। इस आंदोलन ने पटेल को एक जननेता के रूप में स्थापित किया। वर्ष 1928 का बारडोली सत्याग्रह उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव था। अंग्रेज सरकार ने किसानों पर लगान बढ़ा दिया था जबकि वे पहले से ही आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे थे। पटेल ने गांव-गांव जाकर किसानों को संगठित किया और शांतिपूर्ण आंदोलन का नेतृत्व किया। महिलाओं ने भी इस आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लिया। किसानों की एकजुटता और पटेल के दृढ़ नेतृत्व के सामने अंग्रेज सरकार को झुकना पड़ा। इस आंदोलन की सफलता के बाद वहां की महिलाओं ने उन्हें 'सरदार' की उपाधि दी। तभी से वे सरदार वल्लभभाई पटेल के नाम से प्रसिद्ध हो गए। सरदार पटेल का सबसे बड़ा योगदान स्वतंत्रता के बाद देश की रियासतों का भारत में विलय कराना था। 15 अगस्त 1947 को जब भारत स्वतंत्र हुआ, तब देश केवल अंग्रेजों से मुक्त नहीं हुआ था बल्कि उसके सामने एक और बड़ी चुनौती थी। देश में 562 से अधिक छोटी-बड़ी रियासतें थी, जिनमें से कुछ भारत में शामिल होना चाहती थी जबकि कुछ स्वतंत्र रहना या पाकिस्तान में जाना चाहती थी। यदि इन रियासतों का भारत में विलय नहीं होता तो देश की एकता और सुरक्षा के सामने गंभीर संकट खड़ा हो सकता था। उस समय सरदार पटेल देश के उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री थे। उन्होंने वी.पी. मेनन के सहयोग से रियासतों के शासकों से बातचीत शुरू की। उन्होंने उन्हें समझाया कि स्वतंत्र भारत में सभी राज्यों का भविष्य एक-दूसरे से जुड़ा है। उन्होंने संवाद, समझदारी, कूटनीति और आवश्यकता पड़ने पर कठोर निर्णयों के माध्यम से अधिकांश रियासतों को भारत में शामिल कराया। यह कार्य आसान नहीं था लेकिन पटेल ने असाधारण धैर्य और दृढ़ता का परिचय दिया।

जूनागढ़ और हैदराबाद का भारत में विलय उनकी राजनीतिक सूझबूझ और दृढ़ नेतृत्व के महत्वपूर्ण उदाहरण हैं। जूनागढ़ के नवाब ने पाकिस्तान में शामिल होने का निर्णय लिया था जबकि वहां की अधिकांश जनता भारत में शामिल होना चाहती थी। भारत सरकार ने स्थिति को संभालने के लिए कदम उठाए और अंततः जनमत संग्रह के माध्यम से जूनागढ़ का भारत में विलय हुआ। हैदराबाद के निजाम ने भारत में शामिल होने के बजाय स्वतंत्र रहने का प्रयास किया था। वहां रजाकारों की गतिविधियों से आम जनता में भय का माहौल था। बातचीत से समाधान नहीं निकलने पर सितंबर 1948 में भारत सरकार ने सैन्य कार्रवाई की, जिसे 'ऑपरेशन पोलो' कहा गया। पांच दिनों के भीतर हैदराबाद का भारत में विलय हो गया। इस प्रकार सरदार पटेल ने देश की एकता के सामने खड़ी बड़ी चुनौतियों का समाधान किया। पटेल का योगदान केवल रियासतों के विलय तक सीमित नहीं था। उन्होंने स्वतंत्र भारत की प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा को देश की एकता, स्थिरता और सुचारु शासन के लिए आवश्यक मानते थे। उनका विश्वास था कि एक मजबूत प्रशासनिक व्यवस्था के बिना इतने विशाल और विविधतापूर्ण देश को एकजुट रखना कठिन होगा। उन्होंने इन सेवाओं को देश की प्रशासनिक रीढ़ बताते हुए इनके संरक्षण और विकास पर जोर दिया। विभाजन के समय देश में सांप्रदायिक हिंसा, विस्थापन और असुरक्षा का गंभीर संकट पैदा हो गया था। लाखों लोग अपना घर छोड़ने को मजबूर हुए। ऐसे कठिन समय में पटेल ने राहत और पुनर्वास के कार्यों को प्राथमिकता दी। वे प्रशासन को लगातार सक्रिय रखते थे और शरणार्थियों की समस्याओं के समाधान पर ध्यान देते थे। उनका मानना था कि स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होगा, जब देश के प्रत्येक नागरिक को सुरक्षा, सम्मान और आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। जवाहरलाल नेहरू के साथ सरदार पटेल के कई मुद्दों पर मतभेद थे लेकिन उन्होंने हमेशा देशहित को व्यक्तिगत विचारों से ऊपर रखा। पटेल का मानना था कि देश को मजबूत बनाने के लिए नेतृत्व में सहयोग और आपसी विश्वास जरूरी है। उन्होंने अपने अनुभव और प्रशासनिक क्षमता से नवगठित सरकार को स्थिर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सरदार पटेल का जीवन सादगी, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा का उदाहरण था। वे दिखावे से दूर रहते थे और काम को सबसे अधिक महत्व देते थे। उनके लिए देशसेवा किसी पद या प्रतिष्ठा का विषय नहीं बल्कि जीवन का उद्देश्य थी। वे कठिन परिस्थितियों में भी निर्णय लेने से पीछे नहीं हटते थे। उनकी यही विशेषता उन्हें अन्य नेताओं से अलग पहचान देती है।

15 दिसंबर 1950 को मुंबई में सरदार पटेल का निधन हो गया। वर्ष 1991 में उन्हें मरणोपरांत भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। वर्ष 2018 में गुजरात के केवड़िया में उनकी 182 मीटर ऊंची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' का लोकार्पण किया गया। यह विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा है और उनके महान योगदान की याद दिलाती है। आज भारत अनेक भाषाओं, धर्मों, संस्कृतियों और परंपराओं वाला देश है। हमारी यही विविधता हमारी सबसे बड़ी ताकत है। लेकिन इस ताकत को बनाए रखने के लिए आपसी सम्मान, भाईचारे और राष्ट्रीय एकता की भावना जरूरी है।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज दोस्तों के साथ कहीं घूमने का कार्यक्रम बना सकते हैं। आज आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। बड़ा फैसला लेने से पहले बड़ों की राय अवश्य लें। आज बिजनेस में बढ़ोतरी के लिए नए मौके मिल सकते हैं। आज कुछ मामलों में किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह-मशविरा लेकर ही फैसला लें, अच्छा रहेगा।

वृष राशिः आज आपके रुके हुए काम आसानी से पूरे हो जाएंगे। इस राशि के जो लोग राजनीति से जुड़े हुए हैं, उन्हें आज किसी बड़ी पार्टी में मनचाहा पद मिल सकता है। आज दोस्तों के साथ मनोरंजन के लिए कहीं घूमने जा सकते हैं। आज स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। आज के दिन ब्राह्मण को भोजन कराएं, घर में सुख-सौभाग्य बना रहेगा।

मिथुन राशिः आज आपका व्यक्तित्व देखकर लोग आपसे काफी प्रभावित हो सकते हैं। इस राशि के छात्रों को आज उनकी मेहनत का फल मिल सकता है। आज आपका मन पूजा-पाठ में अधिक लग सकता है। आज आप नई योजना बना सकते हैं। आज रुका हुआ काम फिर से शुरू कर सकते हैं। आज के दिन घर से बाहर निकलते समय शहद खाकर निकलें, आपका स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।

कर्क राशिः आज आपका दिन आपके परिवार के लिए नई खुशियां लाने वाला है। आज छोटी-मोटी बातों पर अपना समय व्यर्थ न करें। इस राशि के छात्रों को आज उनकी सफलता का कम परिणाम मिलेगा। नए काम करने की सोच से आपको धन लाभ के अवसर मिलेंगे। लोग आपकी योजना पर काम करने के लिए आपसे सलाह भी लेंगे। आज कुछ मामलों में आप अपनी बातों को लेकर कॉन्फिडेंट नहीं रहेंगे।

सिंह राशिः आज अपने परिवार की अपेक्षाओं पर खरे उतरने के लिए दिन अच्छा है। आज पैसों को लेकर मन में चिंता बनी रहेगी। आज आपका मन काम में कम लगेगा। आज जीवनसाथी के साथ शॉपिंग के लिए जा सकते हैं। आज थोड़ी कमजोरी महसूस हो सकती है।

कन्या राशिः आज के दिन तकदीर का पूरा साथ मिलेगा। आज आपको कुछ अच्छे मौके मिल सकते हैं। अगर आप अपनी सोच को सकारात्मक रखेंगे, तो जल्द ही इसके बेहतर परिणाम हासिल होंगे। आज दोस्तों के साथ मन की बात साझा करके आपको अच्छा महसूस होगा। आज अपनी इच्छाओं को पूरा करने का मौका मिलेगा। आज आपके मन में किसी बात को लेकर उत्सुकता बनी रहेगी।

तुला राशिः आज आपका दिन थोड़ा उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। कारोबार में आ रही परेशानियों के समाधान के लिए आज किसी खास व्यक्ति से सहयोग प्राप्त हो सकता है। आज आपको एक्टिव रहने की जरूरत है। आज जरूरी काम पहले पूरा कर लें, वरना समय धीरे-धीरे निकलता जाएगा और आपको पता भी नहीं चलेगा। आज के दिन सुबह उठकर धरती मां को छूकर प्रणाम करें, आपका दिन ठीक रहेगा।

वृश्चिक राशिः अगर आपके मन में कोई योजना चल रही है, तो उस पर काम करने के लिए आज का दिन बेहतर है। आज दोस्तों का सहयोग प्राप्त हो सकता है। आज आपको कुछ रोचक जानकारी मिलेगी। ऑफिस में आज उत्साहजनक स्थिति बन सकती है। आज कामकाज में मन लगेगा। आज आसपास किसी स्थान की यात्रा के योग बन रहे हैं। आज सफलता मिलने से थकान दूर हो जाएगी।

धनु राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। आज आप जितनी मेहनत करेंगे, उसका दोगुना

ऑस्ट्रेलियाई पुरुष क्रिकेट टीम के सलाहकार कोच बने माइक हसी

एजेंसी, सिडनी



ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज माइक हसी इस महीने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से राष्ट्रीय टीम के साथ सलाहकार कोच के रूप में जुड़ेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। हसी अगले साल होने वाली एशेज सीरीज और दक्षिणी अफ्रीका में आयोजित होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के लिए भी टीम के सलाहकार कोच की भूमिका निभाएंगे। 51 वर्षीय हसी को वर्ष 2028 में होने वाले दो बड़े आयोजनों- लॉस एंजिल्स ओलंपिक और ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड में प्रस्तावित टी20 विश्व कप के लिए राष्ट्रीय टीम का टी20 सलाहकार भी नियुक्त किया गया है। इस भूमिका में वह अभियान की रणनीति तैयार करने, विरोधी टीमों की जानकारी जुटाने, खिलाड़ियों की प्रतिभा पहचानने और प्रदर्शन से जुड़े मामलों में विशेषज्ञ सलाह देंगे। हसी लगभग तुरंत अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे। वह इंग्लैंड के खिलाफ इस महीने के अंत में शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के साथ इस घरेलू सत्र में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी ऑस्ट्रेलियाई टीम को कोचिंग सहयोग देंगे। वह पिछले कुछ वर्षों में भी ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ इसी तरह की जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। पिछले तीन वर्षों में इंग्लैंड, भारत और पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले पर्थ में टीम के अभ्यास सत्र में भी वह शामिल हुए थे। वर्ष 2016 में क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद हसी ने कोचिंग के क्षेत्र में व्यापक अनुभव हासिल किया है। वह ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीमों के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा रह चुके हैं। वर्ष 2022 में ऑस्ट्रेलिया में आयोजित टी20 विश्व कप जीतने वाली इंग्लैंड की टीम में वह मैथ्यू मॉट के कोचिंग पैनल के सदस्य थे। इसके अलावा वह स्टीफन फ्लेमिंग के मार्गदर्शन में चेन्नई सुपर किंग्स के लंबे समय तक बल्लेबाजी कोच रहे और इस वर्ष द हंड्रेड में वेल्श फायर के मुख्य कोच की भूमिका निभाई। हसी ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ अधिक औपचारिक और महत्वपूर्ण भूमिका में जुड़ना उनके लिए खुशी की बात है। उन्होंने कहा, "इस टीम ने हाल के वर्षों में काफी उपलब्धियां हासिल की हैं। मुझे उम्मीद है कि आने वाले रोमांचक और चुनौतीपूर्ण दौर में मैं कोचिंग स्टाफ और खिलाड़ियों के लिए उपयोगी योगदान दे सकूंगा।" ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने हसी की नियुक्ति का स्वागत करते हुए कहा कि वह पहले भी टीम के कोचिंग स्टाफ के महत्वपूर्ण सदस्य रहे हैं। उनका अनुभव और कौशल मौजूदा कोचों तथा खिलाड़ियों के लिए काफी उपयोगी होगा। मैकडोनाल्ड ने कहा कि कई प्रारूपों, प्रतियोगिताओं और देशों में खिलाड़ी तथा कोच के रूप में हसी की विशेषज्ञता के साथ उनके व्यक्तिगत गुण भी टीम के लिए अहम हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रीय टीमों के महाप्रबंधक बेन ओलिवर ने बताया कि टी20 सलाहकार के तौर पर हसी अभियान की रणनीति, विरोधी टीमों के विश्लेषण, खिलाड़ियों की तलाश और प्रदर्शन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपनी विशेषज्ञता देंगे। हसी ने 2005 से 2013 के बीच ऑस्ट्रेलिया के लिए तीनों प्रारूपों में कुल 302 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। वह 2007 में एकदिवसीय विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम और 2006-07 में इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज में 5-0 की जीत दर्ज करने वाली टीम का हिस्सा थे।

कोकीन सेवन के मामले में क्रिस लिन पर लगा था एक महीने का प्रतिबंध, पुनर्वास कार्यक्रम भी पूरा किया

एजेंसी, नई दिल्ली



ऑस्ट्रेलिया के टी20 बल्लेबाज क्रिस लिन को इंग्लैंड में जुलाई में खेले गए टी20 ब्लास्ट फाइनल्स डे के बाद कोकीन सेवन के मामले में एक महीने के निलंबन का सामना करना पड़ा था। इंग्लैंड के क्रिकेट नियामक ने पुष्टि की है कि 36 वर्षीय लिन ने इसके बाद नशामुक्ति और पुनर्वास कार्यक्रम भी पूरा कर लिया है। ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार, लिन ने प्रतिबंध की अवधि पूरी कर ली है। लिन का 18 जुलाई को नियमित डोपिंग परीक्षण किया गया था। इसी दिन नॉर्थम्पटनशायर ने फाइनल्स डे के मुकाबले जीतकर तीसरी बार टी20 ब्लास्ट का खिताब अपने नाम किया था। लिन ने उस दिन खेले गए दो मुकाबलों में 39 और चार रन बनाए थे।

इसके बाद उनका मूत्र नमूना जांच के लिए फ्रांस की एक प्रयोगशाला में भेजा गया, जहां उसमें बेंजोइलएक्गोनिन पाया गया। यह कोकीन के सेवन के बाद शरीर में बनने वाला एक मेटाबोलाइट है। टी20 ब्लास्ट के तुरंत बाद लिन लंका प्रीमियर लीग में खेलने के लिए श्रीलंका रवाना हो गए थे। हालांकि, गॉल ग्लैडिएटर्स के लिए केवल एक मैच खेलने के बाद 29 जुलाई को पैर में अज्ञात चोट के कारण उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया। इसके दो दिन बाद क्रिकेट नियामक ने उन्हें उनके नमूने में प्रतिकूल विश्लेषणात्मक परिणाम मिलने की जानकारी दी और अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया। करीब तीन सप्ताह बाद लिन ने कोकीन सेवन की बात स्वीकार कर ली। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह घटना किसी खेल प्रतियोगिता के दौरान नहीं हुई थी और इसका उनके क्रिकेट प्रदर्शन से कोई संबंध नहीं था। लिन ने बताया कि उन्होंने 15 जुलाई 2026 की शाम से 16 जुलाई की सुबह तक कई घंटों के दौरान इस पदार्थ का सेवन किया था। इससे पहले उसी शाम नॉर्थम्पटनशायर की ग्लॉस्टरशायर के खिलाफ क्वार्टर फाइनल जीत के दौरान डुआन जानसन की कम ऊंचाई वाली फुलटॉस गेंद पैर पर लगने के बाद वह रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। क्रिकेट नियामक ने शुरुआत में इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड के डोपिंग रोधी नियमों के दो प्रावधानों के तहत लिन पर आरोप लगाए थे। हालांकि, बाद में एक आरोप हटा दिया गया, क्योंकि उनके मूत्र नमूने में कोकीन की मात्रा विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी के नियमों के तहत आरोप लगाने के लिए निर्धारित न्यूनतम सीमा से कम पाई गई। नियामक ने शुरुआत में तीन महीने के प्रतिबंध पर विचार किया था, लेकिन लिन द्वारा नशे के दुरुपयोग से निपटने के लिए उपचार कार्यक्रम पूरा करने की पुष्टि के बाद इसे घटाकर एक महीने कर दिया गया। उनका पुनर्वास कार्यक्रम 30 अगस्त को पूरा माना गया, जो उनके अस्थायी निलंबन की शुरुआत के एक महीने बाद की तारीख थी। प्रतिबंध पूरा होने के बाद से लिन ने पेशेवर क्रिकेट में हिस्सा नहीं लिया है। वह आगामी बिग बैश लीग सत्र के लिए किसी अनुबंध की आधिकारिक पुष्टि भी नहीं कर पाए हैं।

युवा ओलंपिक में तन्वी पत्री ने जीता रजत पदक, फाइनल में चीन की झांग यी शिन से हारीं

एजेंसी, डकार



भारत की तन्वी पत्री को युवा ओलंपिक खेल 2026 की बैडमिंटन महिला एकल स्पर्धा के फाइनल में गुरुवार को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। खिताबी मुकाबले में उन्हें चीन की मौजूदा विश्व जूनियर चैंपियन झांग यी शिन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। तन्वी ने पहले गेम में शुरुआती लय हासिल करने में थोड़ा समय लिया, लेकिन इसके बाद लगातार सात अंक जीतकर 3-5 से 10-5 की बढ़त बना ली। उनके पंच टॉस और नेट पर शानदार नियंत्रण ने झांग को दबाव में रखा। भारतीय खिलाड़ी ने 25 मिनट में पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में तन्वी ने 4-0 की बढ़त के साथ अच्छी शुरुआत की। हालांकि, कोर्ट के पीछे से आने वाले हवा के रुख के कारण उनके क्लियर शॉट्स पर नियंत्रण प्रभावित हुआ। मध्यांतर के बाद झांग ने मुकाबले पर पकड़ मजबूत की और दूसरा गेम जीतकर मुकाबले को निर्णायक गेम में पहुंचा दिया। निर्णायक गेम में झांग ने अपने क्रॉस-कोर्ट ड्रॉप शॉट्स के दम पर शुरुआत से ही बढ़त बना ली और स्कोर 19-10 तक पहुंचा दिया। तन्वी ने हार नहीं मानी और लगातार अंक जुटाते हुए अंतर 19-15 कर दिया। हालांकि, भारतीय खिलाड़ी के एक क्रॉस-कोर्ट स्मैश के बाहर जाने से झांग को पांच मैच प्वाइंट मिल गए। तन्वी ने शानदार संघर्ष करते हुए पांचों मैच प्वाइंट बचा लिए और स्वर्ण पदक जीतने के लिए तीन मौके भी बनाए। लेकिन झांग के अधिक अनुभव ने अंततः निर्णायक भूमिका निभाई और उन्होंने खिताब अपने नाम कर लिया। इस रजत पदक के साथ तन्वी युवा ओलंपिक में बैडमिंटन पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गईं। उन्होंने सेमीफाइनल में जापान की युजुनो वातानाबे को 21-14, 11-21, 21-19 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। वातानाबे ने कांस्य पदक जीता। तन्वी का रजत पदक युवा ओलंपिक में भारत के बैडमिंटन पदकों की सूची में शामिल हो गया है। इससे पहले एचएस प्रणय ने 2010 और लक्ष्य सेन ने 2018 में पुरुष एकल स्पर्धा में पदक जीते थे।

प्रीमियर लीग में कोई मुकाबला आसान नहीं, एक चूक भी पड़ सकती है भारी : चेल्सी कोच शाबी अलोंसो

एजेंसी, नई दिल्ली



चेल्सी ने इंग्लिश प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में अच्छी शुरुआत की है। टीम नौ मुकाबलों में 16 अंक लेकर अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। चेल्सी के मुख्य कोच शाबी अलोंसो ने जियोस्टार को दिए एक साक्षात्कार में लीग की प्रतिस्पर्धा, टीम की रक्षात्मक कमजोरियों और कोल पामर की सर्वश्रेष्ठ पोजीशन को लेकर अपने विचार साझा किए। अलोंसो ने कहा कि प्रीमियर लीग बेहद चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिता है और यहां कोई भी मुकाबला आसान नहीं होता। उन्होंने कहा, "चेल्सी से जुड़ने से पहले मुझे इस लीग की चुनौती का अंदाजा था, लेकिन यहां आने के बाद सभी टीमों और खिलाड़ियों का स्तर देखने को मिला। हर मुकाबला एक नई परीक्षा होता है। आप हर सप्ताह ऐसी टीम के खिलाफ खेलते हैं, जो या तो खिताब की दौड़ में होती है या फिर लीग में बने रहने के लिए संघर्ष कर रही होती है। इस लीग में एक पल के लिए भी ध्यान नहीं हटा सकते, क्योंकि यहां की गुणवत्ता आपकी छोटी सी चूक की सजा देगी।" उन्होंने कहा कि इस चुनौती के कारण टीम को हर मुकाबले के लिए पूरी एकाग्रता के साथ तैयारी करनी पड़ती है। कोचिंग स्टाफ को प्रत्येक प्रतिद्वंद्वी का बारीकी से विश्लेषण करना होता है और खिलाड़ियों को मानसिक तथा शारीरिक रूप से तैयार रखना पड़ता है। कार्यक्रम व्यस्त जरूर है, लेकिन यही इस प्रतियोगिता की चुनौती भी है। चेल्सी के पास अच्छी गुणवत्ता और गहराई वाला दल है, जिसका पूरे सत्र में सही इस्तेमाल करना होगा। टीम की रक्षात्मक कमजोरियों पर अलोंसो ने कहा कि अधिक गोल गंवाने के पीछे कोई एक कारण नहीं है, लेकिन यह ऐसा क्षेत्र है जिसमें टीम निश्चित रूप से सुधार करना चाहती है। उन्होंने कहा, "हम इस दिशा में काम कर रहे हैं और टीम लगातार विकसित हो रही है। हमें मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा और कम गोल गंवाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। हमने मैदान पर अपनी संरचना और गेंद के बिना खिलाड़ियों की पोजीशनिंग पर काम किया है।" उन्होंने कहा कि टीम ने कई गोल छोटी-छोटी गलतियों के कारण गंवाए हैं, न कि इसलिए कि विरोधी टीम ने उसकी रक्षापंक्ति को पूरी तरह भेद दिया। यह सकारात्मक बात है, क्योंकि इन गलतियों को सुधारा जा सकता है।

बिजनेस

विदेशी मुद्रा बाजार में रुपये की शानदार वापसी, भारतीय मुद्रा छह महीने के ऊपरी स्तर पर

एजेंसी, नई दिल्ली



विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की घरेलू शेयर बाजार में ताबड़तोड़ खरीदारी के दम पर आज विदेशी मुद्रा बाजार में भारतीय रुपये ने जबरदस्त वापसी की है। वैश्विक बाजार में महंगे होते कच्चे तेल और अमेरिकी डॉलर की मजबूत स्थिति से बने दबाव के बावजूद भारतीय मुद्रा आज अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रिकवर होकर करीब 6 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। हालांकि, आज के कारोबारी सत्र की शुरुआत भारतीय मुद्रा के लिए काफी सुस्त रही। रुपये ने गुरुवार के क्लोजिंग लेवल के मुकाबले गिरावट के साथ कारोबार की शुरुआत की। थोड़ी देर बाद ही विदेशी निवेशकों के भारी कैश इनफ्लो ने बाजार में रुपये की स्थिति को संभाल लिया। मुद्रा बाजार में विदेशी मुद्रा के लगातार हो रहे इनफ्लो की वजह से रुपये ने निचले स्तर से शानदार यू-टर्न लिया। 7 मई के बाद यह रुपये का सबसे मजबूत इंट्रा-डे स्तर माना जा रहा है। आज सुबह विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.50 के स्तर पर कमजोर खुला, जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को यह 94.41 के स्तर पर बंद हुआ था। इस तरह शुरुआत में ही इसमें 9 पैसे की कमजोरी दर्ज की गई थी। इसके बाद बाजार में विदेशी फंड्स की आमद (इनफ्लो) बढ़ने से स्थिति पूरी तरह बदल गई। थोड़ी देर में ही रुपये ने तेजी से अपनी गिरावट को पाटते हुए मजबूती की राह पकड़ ली। भारतीय मुद्रा पहले सुधरकर 94.36 के स्तर पर आई। इस स्तर पर कुछ देर टिकने के बाद इंट्रा-डे में 93.87 के 6 महीने के ऊपरी स्तर तक जा पहुंचा। आज के कारोबारी सत्र के दौरान दोपहर दो बजे अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया अपने पिछले बंद भाव से करीब 53 पैसे यानी 0.56 प्रतिशत की मजबूती दर्ज करते हुए 93.88 के स्तर के आसपास कारोबार करता हुआ नजर आया। डॉलर के साथ-साथ आज दुनिया की अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं की तुलना में भी भारतीय रुपया जोरदार बढ़त बनाने में कामयाब रहा है। ब्रिटिश पॉन्ड (जीबीपी) के खिलाफ भारतीय रुपये में आज शानदार तेजी का रुख बना हुआ है। पिछले कारोबारी सत्र में 127.18 के स्तर पर बंद होने वाला पॉन्ड आज रुपये की मजबूती के चलते 0.84 रुपये यानी 0.66 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 126.34 के स्तर पर आ गया है, जिससे ब्रिटेन से आयात करने वालों को बड़ी राहत मिली है। इसी तरह यूरोपीय संघ की साझा मुद्रा यूरो के मुकाबले भी रुपया आज पूरी ताकत दिखा रहा है। पिछले सत्र में 106.10 रुपये के स्तर पर बंद होने वाला यूरो आज भारतीय मुद्रा के सामने 0.75 रुपये यानी 0.71 प्रतिशत की कमजोरी का शिकार होकर 105.34 रुपये के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। बाजार के जानकारों का कहना है कि आज सुबह के सत्र में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी और डॉलर में देखी गई रिकवरी ने रुपये की शुरुआत को प्रभावित किया था। ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स वैश्विक बाजार में 2 प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ दोबारा 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर चुका था। चूंकि, भारत अपनी जरूरत का अधिकांश तेल अंतरराष्ट्रीय बाजार से आयात करता है, इसलिए कच्चे तेल के महंगा होने से डॉलर की मांग बढ़ती है, जो रुपये की सेहत के लिए ठीक नहीं मानी जाती। इसके साथ ही, दुनिया की प्रमुख छह मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को प्रदर्शित करने वाला डॉलर इंडेक्स भी आज 0.35 प्रतिशत की बढ़त के साथ 101.90 के स्तर पर बना हुआ था।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए थे। आज डाउ जोन्स फ्यूचर्स भी भारी बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला रुख देखने को मिला, जहां सूचकांकों में उतार-चढ़ाव होता रहा। ग्लोबल मार्केट की इस कमजोरी के बीच एशियाई बाजारों में भी आज सुबह से हाहाकार मचा हुआ है । एशिया के ज्यादातर प्रमुख बाजार में गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, इन चौतरफा नकारात्मक संकेतों के बीच भारतीय बाजार के लिए शुरुआती संकेत राहत देने वाले नजर आ रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान भारी गिरावट का माहौल रहा। अमेरिकी कांग्रेस में डेमोकेट्स का नियंत्रण आने के बाद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर कड़े नियम लागू होने के डर से निवेशकों में घबराहट फैल गई, जिसके कारण चिप बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में भारी बिकवाली देखी गई।

धनतेरस के दिन ही मैक्सवेल इंजीनियरिंग के आईपीओ निवेशकों की मनी दिवाली

एजेंसी, नई दिल्ली



प्रिसिजन इंजीनियरिंग सेक्टर की कंपनी मैक्सवेल इंजीनियरिंग सॉल्यूशंस लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त मजबूती के साथ अपने कारोबार की शुरुआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 158 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एमएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 300.20 रुपये के स्तर पर हुई। जोरदार प्रीमियम के साथ हुई लिस्टिंग के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण थोड़ी देर में ही ये शेयर फिसल कर 286.35 रुपये के स्तर तक आ गया। हालांकि थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी। लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर कुछ देर में ही उछल कर 315.20 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 157.20 रुपये यानी 99.49 प्रतिशत का फायदा हो गया और उनकी पूंजी लगभग दोगुनी हो गई। आईपीओ के तहत लॉट साइज 800 शेयर का तय किया गया था। इस तरह आईपीओ निवेशकों को हर लॉट पर 1,25,760 रुपये तक का फायदा हो गया। कंपनी का 57.64 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 अक्टूबर से 3 नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 536.80 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 259.45 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 857.65 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 556.09 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 36.48 लाख नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। इसमें कोई ऑफर फॉर सेल नहीं है। इस आईपीओ से जुटाई गई रकम में से 18 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कंपनी की मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी के लिए नई मशीनरी, लैब उपकरण और अन्य यूटिलिटीज की खरीद से जुड़े कैपिटल एक्सपेंडिचर की फंडिंग में किया जाएगा। इसके अलावा 6.50 करोड़ रुपये का उपयोग नए कार्यालय भवन और मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी के निर्माण के लिए किया जाएगा, जबकि 14 करोड़ रुपये कंपनी की वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने में खर्च किए जाएंगे। 4.30 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कंपनी द्वारा लिए गए कुछ बकाया कर्जों के पूर्ण या आंशिक भुगतान के लिए किया जाएगा, जबकि शेष राशि सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों पर खर्च होगी।

धनतेरस के दिन सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी, नई दिल्ली



घरेलू सर्राफा बाजार में आज धनतेरस के दिन शुरुआती कारोबार के दौरान जबरदस्त तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में उछाल आने के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 2,950 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,220 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में आज 2,850 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,110 रुपये प्रति 10 ग्राम की उछाल दर्ज की गई है। दूसरी ओर, लगातार चार दिन तक बिना बदलाव के एक ही भाव पर कारोबार करने के बाद चांदी ने भी आज तेजी दिखाई है। सर्राफा बाजार में हाजिर चांदी आज 10,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक महंगी हो गई है। भाव में बदलाव आने के कारण देश के अलग-अलग सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,46,030 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,46,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,33,860 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,34,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण यह चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,10,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,46,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,010 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,46,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,46,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,33,910 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

वैश्विक दबाव के बावजूद शुरुआती कारोबार में घरेलू शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी, नई दिल्ली । घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान मजबूती का माहौल बना हुआ है। वैश्विक बाजारों से मिले भारी मंदी के संकेतों और अमेरिकी टेक कंपनियों में मचे हाहाकार के बीच आज भारतीय बाजार की शुरुआत भी मामूली बढ़त के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलने के तुरंत बाद बिकवाली का झटका भी लगा, लेकिन कुछ देर बाद ही खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया। खासकर, बैंकिंग और ऑटोमोबाइल सेक्टर में चौतरफा लिवाली का जोर बन जाने से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने शानदार रफ्तार पकड़ ली। इस खरीदारी के सपोर्ट से बाजार ने केवल कमजोर ग्लोबल संकेतों के झटके से उबरने में सफल रहा, बल्कि लगातार ऊंचाई की ओर बढ़ने लगा। हालांकि बीच बीच में मुनाफा वसूली के मामूली झटके भी लगते रहे। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.73 प्रतिशत और निफ्टी सूचकांक 0.43 प्रतिशत की अच्छी मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स आज 103.65 अंक यानी 0.13 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 79,413.66 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का मामूली दबाव बन जाने के कारण यह सूचकांक पहले कुछ मिनटों में ही फिसल कर लाल निशान में 79,016.05 अंक के निचले स्तर तक गिर गया। इसके बाद बाजार में लिवाली का दौर शुरू हो गया। खासकर, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे दिग्गज शेयरों में आई तेजी से बाजार को शुरुआती बूस्ट मिला, जिससे यह सूचकांक निचले स्तर से 943.43 अंक उछलकर 79,959.48 अंक के ऊपरी स्तर तक पहुंच गया।

धनतेरस पर कैट को देशभर में आज एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार होने का अनुमान

एजेंसी, नई दिल्ली



कारोबारी संगठन कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने धनतेरस के त्यौहार पर आज देशभर में एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का व्यापार होने का अनुमान जताया है। खरीदारी के इस खास दिन पर अकेले सोने और चांदी की बिक्री ही 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक रहने की संभावना है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने शुक्रवार को बताया कि देश के प्रमुख बाजारों में सोने-चांदी की कीमतें काफी अधिक होने के बावजूद त्योहार को लेकर लोगों में भारी उत्साह है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता धनतेरस त्योहार से जुड़ी पारंपरिक खरीदारी लगातार कर रहे हैं। दिवाली के पूरे त्योहारी सीजन में यह दिन खरीदारी के सबसे महत्वपूर्ण समय में से एक माना जाता है। 'ऑल इंडिया ज्वैलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन' (एआईजेजीएफ) ने कहा कि खरीदार सभी श्रेणियों में पारंपरिक निवेश उत्पादों (जैसे सोना-चांदी) के साथ-साथ हल्के वजन वाले आभूषणों को भी काफी पसंद कर रहे हैं। व्यापारियों का कहना है कि सोने-चांदी की ऊंची कीमतों के बावजूद खरीदारी का उत्साह बरकरार है। हल्के आभूषणों, चांदी के सिक्कों और पारंपरिक उपहारों की बढ़ी मांग है। उन्होंने कहा कि 14 कैरेट और 18 कैरेट के हल्के सोने के आभूषणों की भारी मांग है। एआईजेजीएफ ने कहा कि ग्राहक चांदी के सिक्के, सजावटी सामान और मछली, कछुए व हाथी जैसी शुभ मानी जाने वाली आकृतियां भी खरीद रहे हैं।

जान्हवी कपूर का बर्फीले पहाड़ों में शूटिंग का अनुभव, नए प्रोजेक्ट का दिया बड़ा हिंट

बॉ बॉलीवुड की लोकप्रिय अभिनेत्री जान्हवी कपूर अपनी अदाकारी के साथ-साथ अपने स्टाइलिश अंदाज और सोशल मीडिया पोस्ट्स को लेकर हमेशा चर्चा में रहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ बेहद खूबसूरत और मनमोहक तस्वीरें साझा की हैं, जिन्होंने उनके प्रशंसकों के बीच खलबली मचा दी है। इन तस्वीरों में जान्हवी बर्फीली वादियों के बीच किसी खास छायांकन (शूटिंग) में व्यस्त नजर आ रही हैं, जो न सिर्फ उनकी खूबसूरती को बल्कि प्राकृतिक सौंदर्य को भी बखूबी बयां कर रही हैं। सामने आई इन तस्वीरों में जान्हवी कपूर सपनों जैसे प्राकृतिक परिवेश और चारों तरफ फैली बर्फ की सफेद चादर के बीच बेहद आकर्षक अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। हालांकि अभिनेत्री ने अपनी इस पोस्ट में उस खास जगह (लोकेशन) या आगामी परियोजना के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है, लेकिन बर्फीली वादियों का यह खूबसूरत और शांत नजारा देखने वालों का मन मोह रहा है। तस्वीरों को साझा करते हुए जान्हवी ने अपने प्रशंसकों के साथ अपनी भावनाएं भी व्यक्त कीं। उन्होंने अपने अनुभव को बयां करते हुए लिखा, "मैं अभी भी ठंड से पूरी तरह सुन्न हूं, लेकिन हमने जो छायांकन किया है, उसे लेकर मैं अंदर से बहुत खुश और गर्म महसूस कर रही हूं।" उनका यह कैप्शन साफ जाहिर करता है कि इस बर्फीले मौसम और कठिन परिस्थितियों के बावजूद यह शूट उनके दिल के बेहद करीब रहा है। जैसे ही जान्हवी की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर आईं, प्रशंसकों और सिने प्रेमियों के बीच यह जानने की उत्सुकता काफी बढ़ गई है कि अभिनेत्री आखिर किस नए प्रोजेक्ट पर काम कर रही हैं। बर्फ से ढके पहाड़ों के बीच हुआ यह खास छायांकन किसी आगामी फिल्म के गीत, किसी बड़े ब्रांड के विज्ञापन या किसी गुप्त प्रोजेक्ट का हिस्सा हो सकता है। फिलहाल, अभिनेत्री की टीम या उनकी ओर से इस बारे में कोई विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है, जिसके चलते प्रशंसक अब आधिकारिक घोषणा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।





लगातार व्यस्त चल रहा है कार्यक्षेत्र

गौरतलब है कि जान्हवी कपूर इन दिनों अपने पेशेवर जीवन में बेहद सक्रिय और व्यस्त चल रही हैं। एक के बाद एक प्रोजेक्ट्स और अपनी शानदार फिल्मों के चलते वह लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। हाल ही में उन्हें बड़े पर्दे पर फिल्म 'पेड्डी' में देखा गया था, जहाँ उनके अभिनय और अंदाज को दर्शकों ने काफी सराहा था। अपनी वर्सेटाइल एक्टिंग और लगातार नए प्रयोगों के लिए पहचानी जाने वाली जान्हवी के इस नए बर्फीले अंदाज ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि वह अपने काम को लेकर कितनी समर्पित हैं। बहरहाल, जान्हवी कपूर की इन खूबसूरत तस्वीरों ने ठंड के इस मौसम में सोशल मीडिया का पारा बढ़ा दिया है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि उनकी यह रहस्यमयी और मनमोहक परियोजना पर्दे पर कब और किस रूप में दर्शकों के सामने आती है।

'रामायण में गूंजेगी हनुमान चालीसा, दिलजीत दोसांझ समेत पांच गायकों ने दी आवाज आखिर में दिखे सनी देओल

रणबीर कपूर अभिनीत फिल्म 'रामायणः भाग-1 में शामिल हनुमान चालीसा को निर्माताओं ने यूट्यूब पर जारी कर दिया है। इस भक्ति गीत को प्रसिद्ध गायक दिलजीत दोसांझ सहित पांच गायकों ने अपनी आवाज दी है। फिल्म में हनुमान की भूमिका निभा रहे सनी देओल की झलक भी इस गीत के वीडियो में दिखाई गई है, जो दर्शकों के बीच आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। हनुमान चालीसा का यह वीडियो फिल्म के विभिन्न महत्वपूर्ण दृश्यों को समेटे हुए है। इसमें भगवान राम की वीरता, उनके वन गमन और राम-रावण युद्ध के प्रसंगों को दर्शाया गया है। वीडियो के अंतिम हिस्से में हनुमान के रूप में नजर आ रहे सनी देओल 'जय श्रीराम का उद्घोष करते दिखाई देते हैं। उनका यह अंदाज काफी प्रभावशाली नजर आता है। इस भक्ति गीत को दिलजीत दोसांझ के साथ सुखविंदर सिंह, शंकर महादेवन, मोहित चौहान और कैलाश खेर ने अपनी आवाज दी है। गीत का संगीत और संयोजन प्रसिद्ध संगीतकार एआर रहमान ने किया है। पांच दिग्गज गायकों की आवाज और रहमान के संगीत ने इस भक्ति रचना को विशेष बना दिया है। गौरतलब है कि 'रामायणः भाग-1 पांच नवंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो चुकी है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि सनी देओल हनुमान के किरदार में नजर आएंगे। हनुमान चालीसा के जारी होने के बाद फिल्म के इस भक्ति पक्ष को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है। इस विशेष भक्ति रचना को संगीत की दुनिया के जादूगर एआर रहमान ने संगीतबद्ध किया है। सबसे बड़ा आकर्षण यह है कि इस गीत को भारत के पांच शीर्ष और दिग्गज गायकों—दिलजीत दोसांझ, सुखविंदर सिंह, शंकर महादेवन, मोहित चौहान और कैलाश खेर ने अपनी संयुक्त और जादुई आवाज़ों से सजाया है। इन पांचों की मिली-जुली ऊर्जा ने इस पारंपरिक चालीसा को एक अलौकिक और भव्य रूप दे दिया है। वीडियो में फिल्म के कई अहम और भव्य दृश्यों को पिरोया गया है। इसमें भगवान राम के वन गमन, उनकी वीरता और राम-रावण युद्ध के रोमांचक प्रसंगों की झलक दिखाई गई है। हालांकि, सबसे खास पल वह है जब वीडियो के अंतिम हिस्से में महाबली हनुमान के रूप में नजर आ रहे अभिनेता सनी देओल स्क्रीन पर आते हैं और पूरी ताकत के साथ 'जय श्रीराम' का उद्घोष करते हैं। सनी देओल का यह रौबदार और भावुक अंदाज दर्शकों के दिलों को छू रहा है और थिएटर्स में सीटियां बजाने पर मजबूर कर रहा है।





रामायण के साथ सिनेमाघरों में दिखेगा सलमान खान की मातृभूमि का ट्रेलर

बॉ बॉलीवुड के 'दबंग' अभिनेता सलमान खान एक बार फिर बड़े पर्दे पर अपने दमदार और देशभक्ति से ओत-प्रोत अंदाज में लौटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इन दिनों सलमान खान अपनी आगामी और बेहद महत्वाकांक्षी फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' (Matribhoomi: May War Rest in Peace) की तैयारियों में पूरे जोर-शोर से जुटे हुए हैं। फिल्म से जुड़े गलियारों से आ रही ताजा और अंदरूनी खबरों ने सिने प्रेमियों और सलमान के प्रशंसकों के बीच उत्साह को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। सूत्रों के मुताबिक, फिल्म के निर्माताओं ने इसकी मार्केटिंग और प्रचार को लेकर एक बेहद शानदार और मास्टरप्लान रणनीति तैयार की है, जिसके तहत इस फिल्म से जुड़ी बड़ी झलकियों को सिनेमाघरों में एक बहुत बड़े प्लेटफॉर्म के जरिए दर्शकों के सामने लाया जा सकता है।

फिल्म इंडस्ट्री के जानकारों से मिल रही पुष्ट जानकारियों के अनुसार, निर्माता इस बात की योजना बना रहे हैं कि 'मातृभूमि' के ट्रेलर या पहली झलक को बॉक्स ऑफिस पर आने वाली बहुचर्चित और भव्य फिल्म 'रामायण' के साथ सिनेमाघरों में जोड़ा जाए। वर्तमान में देश भर के दर्शकों के बीच 'रामायण' को लेकर जिस तरह का अभूतपूर्व उत्साह और उत्सुकता का माहौल बना हुआ है, उसे भुनाने के लिए मेकर्स यह बेहतरीन दांव खेल सकते हैं। रणनीति यह है कि जब दर्शक सिनेमाघरों में 'रामायण' देखने पहुंचेंगे, तो बड़े पर्दे पर 'मातृभूमि' की झलक देखकर सलमान खान के फैंस के लिए यह एक सोने पर सुहागा जैसा अनुभव होगा। भले ही उस समय पर्दे पर और चर्चाओं में पौराणिक महागाथा का दबदबा हो, लेकिन सलमान की इस एक्शन पैक्ड वॉर ड्रामा का टीज़र या ट्रेलर दर्शकों का तुरंत ध्यान खींचने में पूरी तरह कामयाब रहेगा। यह कदम फिल्म को बड़े पैमाने पर विजिबिलिटी और मास रीच दिलाने में मददगार साबित होगा।

सिनेमाई गलियारों में चर्चा इस बात की भी जोरों पर है कि फिल्म के निर्माता आज ही मुंबई में एक भव्य लॉन्च इवेंट आयोजित करने की योजना बना रहे हैं। इस एक्सक्लूसिव कार्यक्रम में फिल्म से जुड़े कुछ खास पोस्टर्स, मोशन टीज़र या मुख्य कलाकारों के लुक से पर्दा उठाया जा सकता है। हालांकि, प्रोडक्शन हाउस या आधिकारिक सूत्रों की ओर से अभी तक इस इवेंट और शेड्यूलिंग को लेकर कोई औपचारिक पुष्टि (Official Confirmation) नहीं की गई है, लेकिन इंडस्ट्री में सुगबुगाहट तेज है कि मेकर्स आज शाम तक कोई बड़ा सरप्राइज दे सकते हैं। यदि यह लॉन्च योजना के मुताबिक सफल रहता है, तो सलमान खान के प्रशंसकों को उनके इस नए प्रोजेक्ट की पहली स्पष्ट झलक बहुत जल्द देखने को मिल जाएगी।

फिल्म समीकों का मानना है कि वर्तमान में जिस प्रकार से बड़े बजट की फिल्मों के प्रचार के पैटर्न बदले हैं, उसमें सलमान खान की यह रणनीति गेम-चेंजर साबित हो सकती है। 'रामायण' जैसे विशाल प्रोजेक्ट के साथ अपनी फिल्म के प्रचार को जोड़ना और आज मुंबई में संभावित लॉन्च इवेंट के जरिए बज (Buzz) क्रिएट करना, बॉक्स ऑफिस पर 'मातृभूमि' के लिए एक मजबूत जमीन तैयार करेगा। फिलहाल, फिल्म के आधिकारिक टीज़र, ट्रेलर और रिलीज डेट की आधिकारिक घोषणा का इंतजार है, लेकिन इतनी खबरों ने ही बॉक्स ऑफिस के तापमान को काफी बढ़ा दिया है। अखबार के पन्नों से लेकर सोशल मीडिया के गलियारों तक, हर तरफ बस यही चर्चा है कि भाईजान एक बार फिर बड़े पर्दे पर कुछ ऐतिहासिक और तूफानी लेकर आ रहे हैं।



'बैटल ऑफ गलवान' से 'मातृभूमि' तक का सफर

सलमान खान के इस प्रोजेक्ट का इतिहास भी काफी दिलचस्प रहा है। इस फिल्म की घोषणा सबसे पहले जुलाई 2025 में 'बैटल ऑफ गलवान' (Battle of Galwan) के नाम से की गई थी, जिसने आते ही सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर ली थीं। हालांकि, इस फिल्म के प्री-प्रोडक्शन और बैकएंड की तैयारियां काफी पहले यानी साल 2024 में ही चुपचाप शुरू हो चुकी थीं। इसके बाद, रचनात्मक और रणनीतिक बदलावों के चलते मार्च 2026 में निर्माताओं ने फिल्म के शीर्षक (Title) में बदलाव करने का निर्णय लिया और इसका आधिकारिक नाम बदलकर 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' कर दिया गया। इस बदलाव ने रिलीज से पहले ही फिल्म को एक गहरी और भावुक पहचान दे दी है, जो देशप्रेम के जज्बे से जुड़ी कहानी की ओर इशारा करती है।

कलाकार और स्टार कास्टः चित्रांगदा सिंह के साथ बनेगी जोड़ी

फिल्म के कलाकारों की बात करें तो इसमें सुपरस्टार सलमान खान के साथ-साथ बेहद खूबसूरत और मंझी हुई अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह भी एक प्रमुख और महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगी। सलमान और चित्रांगदा की यह फ्रेश ऑन-स्क्रीन जोड़ी पर्दे पर किस तरह का जादू बिखेरती है, यह देखने के लिए भी फैंस बेहद उत्सुक हैं। फिल्म की कहानी देश की सरहदों, सैनिकों के बलिदान और युद्ध की विभीषिका के इर्द-गिर्द बुनी गई है, जिसमें भरपूर एक्शन, इमोशन और देशभक्ति का जज्बा देखने को मिलेगा।



नुसरत की आवाज में था आरडी बर्मन के निधन का दर्द

हाल ही में अपनी चर्चित फिल्म बैंडिट क्वीन से जुड़ी एक अविस्मरणीय याद फिल्ममेकर शेखर कपूर ने साझा की है। इसमें शेखर कपूर ने मशहूर पाकिस्तानी गायक नुसरत फतेह अली खान की अद्वितीय कला और उनकी गहरी संवेदनशीलता का जिक्र है। फिल्ममेकर ने बताया कि फिल्म के बैकग्राउंड स्कोर की रिकॉर्डिंग के दौरान, नुसरत फतेह अली खान की आवाज में सिर्फ सुर नहीं, बल्कि दर्द और आंसू भी थे। इस भावनात्मक उथल-पुथल की वजह उस समय संगीतकार आरडी बर्मन का निधन था, जिनसे नुसरत बहुत प्रभावित थे और उनके संगीत के बड़े प्रशंसक थे। आरडी बर्मन के आकस्मिक निधन से नुसरत फतेह अली खान बहुत दुखी थे, और यह दुख उनकी गायकी में स्पष्ट रूप से झलक रहा था। शेखर कपूर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर इस पुराने और भावुक किस्से को साझा करते हुए बताया, बैंडिट क्वीन के बैकग्राउंड स्कोर की रिकॉर्डिंग चल रही थी। इसी दौरान नुसरत फतेह अली खान ने मुझसे एक ऐसी बात कही, जो मेरे लिए अब तक की सबसे अजीब रिक्वेस्ट थी। शेखर ने बताया कि नुसरत ने उनसे कहा, 'शेखर जी, आप अपनी फिल्म देखिए और मैं आपकी आंखों में देखकर गाऊंगा।' यह अनुरोध शेखर के लिए अप्रत्याशित



था। उन्होंने आगे बताया, दरअसल, जिस सीन के लिए रिकॉर्डिंग हो रही थी, वह फिल्म में बेहमई नरसंहार के बाद का हिस्सा था। इस सीन में कतार में बनी चिताएं दिखाई गई थीं और नदी किनारे महिलाओं के रोने और विलाप करने की आवाज़ें सुनाई दे रही थीं। यह एक बहुत ही हृदय विदारक और गंभीर दृश्य था, जिसकी संवेदनशीलता को संगीत के माध्यम से व्यक्त करना आवश्यक था। शेखर ने आगे बताया, जब रिकॉर्डिंग शुरू हुई तो मैंने देखा कि नुसरत मेरी आंखों में देख रहे थे। वह सिर्फ देख नहीं रहे थे, बल्कि मेरी आंखों में जैसे कुछ तलाश रहे थे।

ज्यादा तीखा खाने वालों को जरूर जाननी चाहिए ये जरूरी बातें



खाने में मिर्च का इस्तेमाल करना सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है, क्योंकि मिर्च खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ-साथ पाचन को भी ठीक रखती है। हालांकि, अगर आप ज्यादा मिर्च खाने के आदी हैं, तो आपको सावधान रहने की जरूरत है, क्योंकि इससे पेट में जलन और गैस जैसी समस्याएं हो सकती हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे आसान तरीके बताते हैं, जिन्हें आजमाकर आप खाने में ज्यादा मिर्च डालने की आदत छोड़ सकते हैं। अगर आप रोजाना किसी न किसी सब्जी या फिर किसी व्यंजन में मिर्च का इस्तेमाल करते हैं, तो इस आदत को तुरंत छोड़ दें। अगर आप इस आदत को छोड़ना चाहते हैं, तो रोजाना मिर्च खाने वाली चीजों को धीरे-धीरे खाना कम करें। मिर्च का सेवन करते समय पानी पीने से भी बचें क्योंकि इससे मिर्च की तीखापन आपके शरीर में अधिक असर डाल सकता है। यह तरीका आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। मिर्ची के



साथ इन चीजों का भी करें सेवन: अगर आपको रोजाना मिर्ची खाने की आदत है, तो इससे शरीर पर पड़ने वाले बुरे असर को कम करने के लिए रोजाना एक केला और एक गिलास दूध का सेवन करें। केले और दूध में कई जरूरी पोषक तत्व होते हैं, जो मिर्च खाने से होने वाले नुकसान को कम करने के साथ-साथ पाचन को ठीक रखने में मदद कर सकते हैं। इससे आपको राहत मिल सकती है।

हल्दी के साथ इन चीजों का करें सेवन

हल्दी खाने में तीखापन कम करने के लिए एक अच्छा उपाय है। अगर आप रोजाना मिर्ची खाते हैं, तो इससे शरीर पर पड़ने वाले बुरे असर को कम करने के लिए रोजाना एक चुटकी काली मिर्च के साथ एक चुटकी हल्दी का सेवन करें।

ये दोनों चीजें शरीर से हानिकारक तत्वों को बाहर निकालने में मदद कर सकती हैं। इनका सेवन आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

रोजाना प्याज का सेवन करें: प्याज में ऐसे गुण होते हैं, जो शरीर से हानिकारक तत्वों को बाहर निकालने, पाचन को ठीक रखने और खाने में अधिक मिर्च डालने से होने वाले दुष्प्रभाव को कम करने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा प्याज का सेवन शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में भी सहायक हो सकता है। प्याज का सेवन आपके स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हो सकता है।

रोजाना दही का सेवन करें: अगर खाने में अधिक मिर्च लग जाती है, तो इससे मुंह में जलन होने लगती है। इस स्थिति में दही का सेवन करना लाभदायक हो सकता है। दही में ऐसे तत्व होते हैं, जो मुंह की जलन को कम करने के साथ-साथ पाचन को ठीक रखने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा दही का सेवन शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में भी सहायक हो सकता है।

BRIFF NEWS

A drug, custom-made in The Hague for 7 kids in India



New Delhi, Agency: Dutch and Indian physicians and civil society organisations have come together to ensure access to a rare disease drug for seven children in India, by compounding the drug in the Hague and sending it to India. Compounding is the process by which a medicine is custom-made in small quantities.

The drug, tiratricol, is going to be compounded by Transvaal Pharmacy for 1.8 euro per capsule, which is 99 times cheaper than the commercial drug sold by the Swedish company Egetis in Germany for 180 euro (over Rs 19,000) per tablet.

Currently, the family of one of the children is importing the medicine from Germany. It costs them Rs 3 lakh per month. Since it is prescribed for life, buying it is proving to be unsustainable.

The seven children suffer from a rare disease, Allan Herndon-Dudley Syndrome (AHDS), also known as MCT8 deficiency. Due to a genetic defect, their thyroid hormones are unable to reach their brain cells effectively, leading to severe developmental issues. Research by the Erasmus University Medical Centre (Erasmus MC) has confirmed that tiratricol, a medication known since 1953, could reduce the physical manifestations of the disease.

Srinagar MP's exit part of BJP's 'Op Lotus' plan in J&K, says NC



Srinagar, Agency: Governing National Conference (NC) in Jammu & Kashmir Wednesday described the resignation of its Srinagar MP, Aga Ruhullah Mehdi, as the handiwork of BJP, saying the party had succeeded in its mission under 'Operation Lotus'.

Addressing a news conference at the party headquarters in Srinagar, NC legislators Salam Sagar and Sajad Shaheen said the MP's departure was the outcome of a "planned and calculated" strategy. "BJP has succeeded in getting Aga Sahib (Mehdi) out of NC. He has now joined a force that has tried two or three times over the past 80-90 years to weaken us, but we managed to defeat those attempts earlier," Sagar said. "What you witnessed yesterday (Tuesday) in Kashmir is similar to 'Operation Lotus' carried out in Parliament to engineer defections and get MPs to leave their parties. With Aga Sahib's help, BJP's agenda has been fulfilled," the NC MLAs alleged. The duo termed Mehdi's allegation that NC had abandoned its fight for restoration of J&K's special status an excuse and ruse. "He (Mehdi) was with the party for 24 years. If he failed to realise in all these years that we are not sincere in following our agenda, as he has alleged, then it speaks about him, rather than the party," Sagar said, adding: "We will never compromise on Articles 370 and 35A or the rights of the people of Jammu & Kashmir."

Andhra, Kerala top ease of vehicle ownership index; UP, Bihar at bottom: Report

New Delhi, Agency: Andhra Pradesh, Kerala and Tamil Nadu have emerged as the top-performing states in ease of vehicle ownership, while Uttar Pradesh, Bihar and West Bengal rank at the bottom, reflecting wide disparities in procedures for transferring ownership of used vehicles.

The findings are part of the Ease of Vehicle Ownership Index (EVOI) 2026, prepared by Consumer Voice and Indiatech, which assessed systems and procedures across 15 major states and Delhi, covering more than 85% of India's organised pre-owned vehicle market.

None of the states figured in the 'high ease' or excellent category, with Andhra Pradesh, the highest-ranked state, scoring only 5.9 on a scale of 0-10. Kerala scored 5.7, followed by Tamil Nadu and Delhi at 4.6 each. Karnataka (4.3), Gujarat (4.2), Madhya Pradesh (4.1), Maharashtra and Telangana (4.1 each) and Punjab (4) occupied the next positions.

Rajasthan (4) and Haryana (3.9) were also in



the lower half of the rankings, while West Bengal (2.6), Bihar (2.5) and Uttar Pradesh (2.5) brought up the rear.

The report comes as India's pre-owned vehicle market is expanding rapidly and is projected to grow from $36.4 billion in 2025 to over $73.5 billion by 2030. The market has overtaken new vehicle sales in volume. However, fragmented state-level rules, incomplete digitisation and cumbersome procedures continue to impede seamless vehicle ownership transfers.

The report, which also included interviews, found that 39% of citizens reported delays in receiving their registration certificates after completing vehicle transfers, while 61.5% were unaware of the requirement for a party-pusher until they reached the respective RTO. As many as 63% could not accurately estimate the total cost of completing an ownership transfer, reflecting widespread opacity in transaction charges.

Interestingly, all respondents said they relied on intermediaries or agents to complete ownership transfers because of administrative complexity.

The report has called for a unified digital vehicle records system, standardised no-objection certificate procedures, real-time integration between banks and transport departments for automatic removal of hypothecation after loan repayment, and transparent, time-bound service delivery across RTOs.

Centre proposes immediate suspension of licences for substandard drugs'

New Delhi, Agency: A medicine that fails critical quality tests could soon trigger immediate suspension of the manufacturer's licence, under proposed rules aimed at preventing substandard drugs from reaching patients. Health ministry has proposed changes to the drugs rules, 1945, to allow regulators to act without waiting for the existing show-cause notice process.

Currently, authorities follow a procedure that includes issuing a show-cause notice before suspending or cancelling a



manufacturing licence. This can create a gap during which medicines declared 'Not of standard quality (NSQ)' may continue to circulate.

Under the proposed amendments, central or state drug licensing authority can immediately suspend manufacturing licence for a drug if a govt analyst's report finds it deficient in any of five critical parameters: assay, dissolution, related substances, impurities or sterility.

These tests determine whether a medicine contains the required amount of active ingredient, releases it properly in the body and is free from harmful impurities or microbial contamination.

The suspension will continue until the manufacturer identifies the reason for the quality failure and takes corrective and preventive action. The licence can be restored only after the regulatory authority verifies that the required measures have been implemented.

Two sisters among 4 Kedartal victims, search on for 4 others



New Delhi, Agency: Two sisters from Lucknow were among four trekkers found dead following an avalanche on the Kedartal trekking route in Uttarkashi district, with rescue teams recovering two more bodies on Wednesday, taking the toll to four, report Gaurav Talwar & Ashish Mishra. The deceased sisters were identified as Deepika Verma, 29, and Vartika Verma, 28, while the identities of two men remained unconfirmed.

SC issues notice to Centre, poll body on blanket immunity to CEC

New Delhi, Agency: The Supreme Court on Wednesday sought a response from the Centre and the Election Commission over a plea challenging immunity to Chief Election Commissioner and other Election Commissioners from any legal action for any decision taken in the course of their duties.

A bench of CJI Surya Kant and Justices Joymalya Bagchi and V Mohanna issued notice to the poll body and Centre on a petition filed by activist and lawyer Arun Kumar Agarwal.

According to Bar and Bench, the plea challenges the constitutional validity of Section 16 of the Chief Election Commissioner and Other Election Commissioners (Appointment, Conditions of Service and Term of Office) Act,



2023.

"Despite the absence of such blanket immunity, the Election Commission of India has successfully conducted elections over several decades. This shows that the Commission can function effectively without granting its members blanket immunity from legal proceedings," the plea said.

"The objective of protecting Election Commissioners from vexatious proceedings can be achieved through less restrictive measures, such as safeguards against frivolous complaints and prior judicial scrutiny.

Changing NEET-PG to rank-based system won't fix structural problems, doctors say

New Delhi, Agency: Changing NEET-PG and NEET-SS from a percentile-based to a rank-based system will not address the structural problems in medical education, doctors' body said, flagging exorbitant fees, compulsory bonds, inadequate stipends and vacancies in less preferred specialities as the issues requiring urgent attention.

"These were the key concerns raised by stakeholders at the October 9 DGHS meeting. Changing the merit-list methodology without addressing these issues is merely changing the approach, not reforming medical education," United Doctors Front (UDF) chairperson Dr Lakshya Mittal who was part of the meeting said.

The govt's response to earlier



stakeholder recommendations on these issues, reproduced in an expert committee report submitted to supreme court on Tuesday, points largely to state jurisdiction and existing regulations. On fee regulation, the govt cited NMC guidelines issued in February 2022 for determining charges for 50% of seats in private medical colleges and deemed universities, but said the guidelines were under litigation. Fee structures, it said, were governed by state regulatory authorities.

On bonds, the govt said the policy fell under state jurisdiction. It also said stipends in National Board of Examinations in Medical Sciences institutions were at par with those for MD/MS/DM/MCh seats in state institutions. Public-sector recruitment and job placements, it added, were also under state jurisdiction. These responses relate to earlier stakeholder recommendations and are not a direct reply to the October 9 meeting.

At the meeting, Mittal had called for uniform fee regulation, bond-free admissions in pre-clinical and para-clinical branches, where seats often remain vacant, and equitable stipends. He also sought better faculty recruitment, career progression and research opportunities to address vacancies without resorting to zero or negative qualifying cut-offs.

Prez can be prosecuted after leaving office but not ECs, says petitioner

New Delhi, Agency: The Supreme Court has tagged two petitions challenging Section 16 of Chief Election Commissioner and Other Election Commissioners (Appointment, Conditions of Service and Term of Office) Act, 2023, with a pending plea raising a similar issue. The provision bars



courts from entertaining or continuing civil or criminal proceedings against serving or former CECs and election commissioners for acts done or purported to be done in discharge of official duties.

A bench told lawyers for Manoj Jha and Arun Agrawal that the cases would be tagged with the pending matter.

NDC draws line between general and specialist dental practice

New Delhi, Agency: A dentist's degree does not automatically qualify them to perform every dental procedure. The National Dental Commission (NDC) has clarified that practitioners must restrict their clinical work to procedures covered by their qualifications and specialised training, bringing the scope of general and specialist dental practice into focus.

In an advisory, the commission's Ethics and Dental Registration Board said it had received queries from registered dentists seeking clarity on the permissible scope of practice. It said the BDS and Master of Dental Surgery (MDS) curricula define the competencies and procedures that each category of dentist is trained to perform.

The BDS curriculum covers routine procedures such as fillings, simple root canals, uncomplicated



extractions, dentures and basic orthodontic treatment. Graduates are also expected to identify complex cases and refer them to specialists. MDS provides advanced training in fields such as oral surgery, orthodontics, periodontology, prosthodontics and endodontics.

For instance, BDS graduates are trained in simple orthodontic procedures and routine extractions, while complex corrective jaw surgeries and advanced oral surgeries require specialist expertise.

Welcoming the clarification, (Hony.) Brig Anil Kohli, former president of the Dental Council of India and an endodontist, said the NDC should issue a procedure-wise list defining the scope of general and specialist practice.

"Routine procedures such as fillings, scaling, simple extractions and basic root canals can be performed by competent BDS graduates, but complex implants, impacted wisdom tooth surgeries, corrective jaw procedures and advanced periodontal treatments must be reserved for trained MDS specialists. The dividing line should be clinical competence, not just the degree, with patient safety taking precedence," he said. Kohli also called for mandatory continuing dental education for licence renewal, backed by clinical audits and action against violations.

Another Mahadev case accused held in UAE, India seeks extradition

New Delhi, Agency: Ravi Uppal, a prime accused in the multi-crore Mahadev online betting case, has been arrested in Dubai. The development comes days after co-accused Sourabh Chandrakar was extradited to India from Oman. Enforcement authorities have formally moved for Uppal's extradition, and sources said he is likely to be handed over soon to stand trial in India.

Uppal was detained on the basis of an extradition request from India, with the CBI and ED establishing his last known location in the UAE. Uppal had briefly left the UAE for Vanuatu and acquired citizenship of the Pacific nation but failed to get his name removed from Interpol's Red Notice as the ED had opposed his plea before the Interpol Commission for Control of Files.

He was arrested by Dubai police in Dec 2023 and was under house arrest but was released in Nov 2025 despite an extradition request pending since 2023. India has an extradition treaty with the UAE, and the Gulf nation had extradited high-profile accused in the past, including British national



Christian Michel, wanted in the AgustaWestland VVIP chopper scam.

India had sent a formal extradition request after Dubai police informed New Delhi of his arrest. However, the UAE authorities later said no extradition request had been received and released the accused. Indian agencies again located him in Dubai in May this year, and efforts were under way to bring him back. Uppal and other co-accused, including Chandrakar, had launched the Mahadev app in 2019 and managed to expand the user base significantly during the Covid pandemic. Uppal played a key role in orchestrating the gambling network by franchising thousands of branches across India and abroad on a profit-sharing basis.